घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 108- मंगलवार 17- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

राजस्थान में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका...8 लोग जिंदा जले

4 गंभीर झुलसे,पॉलीथीन में ले जाने पड़े शव,मैनेजर हिरासत में,फैक्ट्री सीज

भिवाड़ी,16 फरवरी 2026। राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में अचानक तेज धमाका हुआ। इसमें 8 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 4 गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें दिल्ली एम्स रेफर किया गया है। शव बुरी तरह जल गए थे। कई शवों के कंकाल भर बचे थे। बॉडी पार्ट्स के टुकड़े बिखरे मिले। रेस्क्यू टीम ने इन टुकड़ों को पॉलीथीन में इकट्ठा किया। हादसा खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। फैक्ट्री मैनेजर अभिनंदन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। फैक्ट्री को सीज कर दिया है। तीन मृतकों की पहचान बिहार के मोतिहारी जिले के मिंटू,नितेश और सुजान के रूप में हुई है। अन्य मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजनों का डीएनए सैंपल लिया जाएगा। इस फैक्ट्री में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मौके से बारूद, पटाखे और पैकिंग के डिब्बे मिले हैं। घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने कहा- देखकर लग रहा है कि छोटा एक्सप्लोसिव मटेरियल था। गैस रिसाव नहीं था। एडीएम सुमिता मिश्रा के अनुसार, फैक्ट्री मालिक का नाम राजेंद्र है। उन्होंने किसी तिवारी को यह फैक्ट्री लीज पर दी थी। दोनों से संपर्क नहीं हो पाया है।

फैक्ट्री को किया सील : फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। मौके पर अब केवल तहसीलदार मौजूद है। मरने वालों के परिजनों को थाने लाया गया है,जहां पुलिसकर्मी उनकी देखभाल कर रहे हैं। कलेक्टर-एसपी सहित सभी अधिकारी मौके से निकल चुके हैं। जांच के निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे मंत्री-विधायक : मंत्री संजय शर्मा और तिजारा विधायक बालकनाथ ने मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे,लेकिन परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

उन्हें किसी की सुध नहीं है। ऐसे में वे न तो नेताओं से मिल पाने की स्थिति में है, न ही कुछ बोलने की।

सभी फैक्ट्रियों की जांच होगी

खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने 7 दिन में सभी फैक्ट्रियों और औद्योगिक इकाइयों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा- जांच में यह देखा जाएगा कि औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा के नियम सही तरह से लागू हो रहे हैं या नहीं। इस दौरान वहां चल रही गतिविधियों, आग से बचाव के इंतजाम, जरूरी सरकारी अनुमति और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखा जाएगा।

फैक्ट्री मैनेजर को पुलिस ने थाने बुलाकर हिरासत में लिया

पुलिस सुबह से फैक्ट्री मालिक और मैनेजर से संपर्क करने की कोशिश कर रही थी। काफी कोशिश के बाद फैक्ट्री के मैनेजर अभिनंदन से फोन पर बात हो पाई। अब पुलिस ने उसे थाने बुलाने के बाद हिरासत में ले लिया है। पुलिस फैक्ट्री मैनेजर से पूछताछ कर रही है।

तीन मृतकों की पहचान हुई

8 मृतकों में से 3 की पहचान हो गई है। ये तीनों मिंटू,नितेश और सुजान बिहार के मोतिहारी जिले के रहने वाले थे। इसके अलावा 4 मजदूरों अनूप कुमार, जुन्नु, विवेक कुमार और मन्नू को एम्स रेफर किया गया है। बाकी शव इतनी बुरी तरह जल गए है कि पहचान डीएनए जांच के बाद ही संभव हो पाएगी।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर जताया दुःख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दुःख व्यक्त करते हुए लिखा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना अत्यंत दुःखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि, राजस्थान के भिवाड़ी के खुशखेड़ा करौली औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लॉट संख्या जी1/118बी में सोमवार सुबह अग्निकांड की घटना सामने आई, जहां संचालित एक निजी औद्योगिक इकाई में अचानक आग लग गई।

सीएम भजनलाल ने कहा...राहत, बचाव कार्य के निर्देश दिए गए...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा...जिला प्रशासन को राहत व बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री में आग लगने से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन को राहत व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।...

पीएम मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन किया

300 से ज्यादा कंपनियां दिखा रहीं एडवांस गैजेट्स

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। भारत में दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने इवेंट में शामिल हुए स्टार्टअप्स के पवेलियंस में जाकर उनके इनोवेशंस की जानकारी ली। ये इवेंट 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। समिट के साथ-साथ 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' का भी आयोजन किया जा रहा है। यहां दुनियाभर की कंपनियां अपने लेटेस्ट एआई सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश करेंगे। यहां आम लोग देख सकेंगे कि एआई असल जिंदगी में कैसे काम करता है और भविष्य में एआई से खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है।

पीएम मोदी बोले...दुनियाभर से आए लोगों का स्वागत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया 'एआई इम्पैक्ट समिट' शुरू हो रही है। मैं इस समिट में हिस्सा लेने आए दुनिया भर के नेताओं, बड़े बिजनेसमैन,इनोवेटर्स,पॉलिसी बनाने वालों, रिसर्चर्स और टेक्नोलॉजी के जानकारों का दिल से स्वागत करता हूं। इस समिट की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी 'सबका भला और सबकी खुशी' है। यह इंसानियत की तरक्की के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने के हमारे साझा संकल्प को दिखाती है।

ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि अमेरिका के बाद भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता आधार है। ऑल्टमैन ने यह भी कहा कि अन्य किसी भी देश की तुलना में भारत में चैटजीपीटी के छात्र उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे अधिक है।

दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस...

नई न्याय संहिता से बढ़ेगी दोषसिद्धि : शाह

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नई न्याय संहिताओं के पूरी तरह लागू होने से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति में बड़ा सुधार होगा और दोष सिद्धि दर 80 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी । शाह ने दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस पर आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा ने पिछले 12 वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। कश्मीर (धारा 370 हटने के बाद), पूर्वोत्तर और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा के आंकड़े 80 प्रतिशत तक घटे हैं और इस साल 31 मार्च तक देश को पूरी तरह नक्सल हिंसा से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गृह मंत्रालय का ध्यान नारकोटिक्स नियंत्रण,बॉर्डर सुरक्षा के आधुनिकीकरण और नई न्याय संहिताओं के पूर्ण क्रियान्वयन पर रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 2029 से पहले देश इन चुनौतियों से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। अमित शाह ने सोमवार को स्थापना दिवस पर राजधानी के किंग्सवे कैंप स्थित न्यू पुलिस लाइन्स परेड ग्राउंड में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने उत्कृष्ट पुलिस कर्मियों को मेडल प्रदान किए और उनके समर्पण, जन सुरक्षा में निभाई जा रही भूमिका और सेवा की सराहना की। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस की बेस्ट मार्चिंग टुकड़ी,स्वाट टीम, डॉग स्क्वायड, बैंड यूनिट, मोटरसाइकिल राइडर्स और पीसीआर यूनिट्स ने मार्च पास्ट कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इस दौरान गृहमंत्री ने दिल्ली पुलिस की 10 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें सबसे अहम स्पेशल सेल का इंटीग्रेटेड हेड क्वार्टर है,जो लगभग पौने चार सौ करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और आतंकवाद व नारकोटिक्स से निपटने के लिए देश का सबसे आधुनिक केंद्र होगा।

साथ ही उन्होंने सेफ सिटी प्रोजेक्ट के पहले चरण की शुरुआत की, जिसके तहत 857 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल कम्युनिकेशन और कंप्यूटर सेंटर (सीi4आई) दिल्ली की जनता को समर्पित किया। इस परियोजना में 11 जिला स्तरीय सी3आई केंद्र,75 थाना स्तरीय सी2आई इकाइयां और 10,000 कैमरों का नेटवर्क शामिल है, जिनमें से 2100 कैमरे पहले ही लाइव हो चुके हैं। इसके अलावा पुलिस फैमिलीज वेलफेयर सोसाइटी के स्टॉल का लोकार्पण भी किया गया। अमित शाह ने कहा कि दिल्ली पुलिस का दायित्व पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली केवल एक शहर नहीं बल्कि लोकतंत्र की धड़कन और देश की अस्मिता का केंद्र है। यहां राष्ट्रपति भवन,प्रधानमंत्री कार्यालय और निवास,राष्ट्रीय पर्वों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस पर है।

उन्हें गर्व है कि दिल्ली पुलिस ने हमेशा अपनी जिम्मेदारी को प्रखरता और सफलता के साथ निभाया है। उन्होंने कहा कि लगभग पौने चार सौ करोड़ रुपये की लागत से स्पेशल सेल का इंटीग्रेटेड हेड क्वार्टर बनाया जा रहा है, जो देश का सबसे आधुनिक केंद्र होगा। इसमें अत्याधुनिक इंडोर फायरिंग रेंज, वॉर रूम,साइबर लैब,प्रशिक्षण हॉल और आधुनिक उपकरण होंगे। यह केंद्र नारकोटिक्स और आतंकवाद से निपटने में देशभर की पुलिस के लिए आदर्श बनेगा। उन्होंने सेफ सिटी प्रोजेक्ट के पहले चरण का भी लोकार्पण किया। लगभग 857 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल कम्युनिकेशन और कंप्यूटर सेंटर (सीi4आई) दिल्ली की जनता को समर्पित किया गया। इसके साथ 11 जिला स्तरीय सी3आई केंद्र और 75 थाना स्तरीय सी2आई इकाइयां भी जोड़ी गईं।

कक्षा 10 की पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य : सीबीएसई

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2026 से कक्षा 10 में लागू की जा रही दो बोर्ड परीक्षा प्रणाली के संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसे किसी भी स्थिति में छोड़ा नहीं जा सकता। बोर्ड ने 14 फरवरी को जारी अधिसूचना में कहा कि उसे कुछ अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें यह मांग की गई थी कि यदि कोई छात्र किसी कारणवश पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो पाता है, तो उसे सीधे दूसरी बोर्ड परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। इस पर सीबीएसई ने अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि दूसरी परीक्षा, पहली परीक्षा का विकल्प नहीं है, बल्कि यह प्रदर्शन सुधार और पात्र श्रेणियों के लिए अतिरिक्त अवसर है।

लैंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार पर आरोप तय कोर्ट ने कहा...निजी जागीर की तरह किया इस्तेमाल

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। लैंड फॉर जॉब्स मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को इस बहुचर्चित मामले में लालू यादव,पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव समेत कुल 41 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। अदालत के इस फैसले के साथ ही अब मामले में नियमित ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे प्रथम दृष्टया संगठित साजिश करार दिया। अदालत ने कहा कि जांच में यह संकेत मिलता है कि रेल मंत्रालय को कथित तौर पर निजी जागीर की तरह इस्तेमाल किया गया और सरकारी नौकरियों को सौदेबाजी के माध्यम के रूप में उपयोग कर संपत्तियां अर्जित की गईं।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने लिया बड़ा एक्शन

एसआईआर के काम में गड़बड़ी को लेकर 7 अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में चुनाव आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम में गड़बड़ी को लेकर सात अधकारियों को सस्पेंड कर दिया है। चुनाव आयोग ने ये एक्शन इन अधिकारियों के खिलाफ गंभीर कदाचार,कर्तव्य की अवहेलना और एसआईआर शक्तियों के दुरुपयोग के पुख्ता सबूत मिलने के मामले में लिया है।

चुनाव आयोग ने सस्पेंड किए सात अधिकारी : चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13 सीसी के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है और सभी सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही के आदेश दिए हैं। चुनाव आयोग ने सात अधिकारियों को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं,उन अधिकारियों में मुर्शिदाबाद के समसेरगंज से एईआरओ डॉ. सफी उर्रहमान, फरक्का के एईआरओ नीतीश दास, मैनागुड़ी की डालिया रे चौधरी, सूती ब्लॉक के एसके मुर्शिद आलम, दक्षिण 24 परगना के कैनिंग पुरबो निर्वाचन क्षेत्र से एआरओ सत्यजीत दास, जॉयदीप कुंडू, डेबरा विधानसभा क्षेत्र से संयुक्त बीडीओ और एआरओ देबाशीष बिस्वास हैं। चुनाव आयोग से साफतौर पर कहा है कि एसआईआर की प्रकिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीपफेक और गलत सूचनाएं समाज की नींव पर हमला,तकनीकी,कानूनी समाधान जरूरी : वैष्णव

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई इम्पैक्ट समिट से पहले डीपफेक्स, गलत एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर कहा कि यह प्रवृत्ति समाज की नींव पर हमला है। समाज की नींव संस्थाओं के बीच विश्वास है। परिवार, सामाजिक पहचान और शासन जैसी संस्थाएं सदियों से समाज को जोड़कर रखती हैं,लेकिन डीपफेक्स और भ्रामक सूचनाओं का तेजी से फैलना इन संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर कर रहा है। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो के उद्घाटन से पहले एक सत्र में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,एआई मॉडल और उनके निर्माता सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी कि नई तकनीक विश्वास को मजबूत करे,न कि उसे तोड़े। इसके लिए तकनीकी एवं कानूनी समाधान जरूरी हैं। अगर नई तकनीक संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर करती है और विकल्प नहीं देती, तो यह समाज के लिए खतरनाक होगा। मंत्री वैष्णव ने कहा कि उन्होंने 20 से अधिक देशों के मंत्रियों से इस विषय पर बातचीत की है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता देश के किसानों के लिए खतरा : कांग्रेस

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से देश के किसानों और जैविक विविधता पर सीधा खतरा बताया। पार्टी ने कहा कि खेती, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार की शर्तें, ये तीन सबसे अहम मुद्दे हैं,जिन पर सरकार ने देशहित को दांव पर लगा दिया है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि छह फरवरी को जारी हुई रूपरेखा अंतरिम समझौते के पहले ही बिंदु में यह तय किया गया है कि भारत अमेरिका से खाद्य और कृषि उत्पादों का आयात बिना किसी शुल्क के करेगा। यह भारतीय किसानों की आजीविका पर सीधा हमला है। अमेरिका से बिना आयात कर के मक्का, ज्वार और सोयाबीन ऑयल आयात होने पर भारत के किसानों को भारी नुकसान होगा।

महिलाओं के साथ धार्मिक और धार्मिक स्थलों पर हो रहे भेदभाव पर सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की जांबो बैंच

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा है कि 9 जजों की एक बेंच महिलाओं के साथ धार्मिक और धार्मिक स्थलों पर होने वाले भेदभाव से जुड़े याचिकाओं पर सात अप्रैल से आखिरी सुनवाई शुरू करेगी। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर पर आए फैसले की समीक्षा का मामला शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की एक बेंच ने कहा कि इस मामले में भारत के चीफ जस्टिस 9 सदस्यीय संवैधानिक बेंच का गठन करने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों से कहा है कि वे 14 मार्च या इसके पहले अपनी लिखित दलीलें दायर करें। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र की ओर से कहा कि हमारी ओर से सबरीमाला फैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिका का समर्थन किया है। सबरीमाला पर सुनाए गए फैसले में केरल में पहाड़ी पर स्थित पवित्र मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को घुसने की अनुमति दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले सभी पक्षों के लिए वकील कृष्णा कुमार सिंह को नोडल काउंसल बनाया है। वहीं इस फैसले की समीक्षा की मांग का विरोध करने वालों के लिए शाश्वती परी को नोडल काउंसल नियुक्त किया है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम यह भी उचित मानते हैं कि वरिष्ठ वकील के परमेश्वर के साथ शिवम सिंह को एमीकस नियुक्त किया जाए।

संपादकीय

विकसित भारत का आधार बनें एमएसएमई

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत

आरबीआई ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए गिरवी मुक्त ऋण सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है,जो अप्रैल से प्रभावी होगी। यह पहल एमएसएमई को बढ़ावा देगी, जो भारत की अर्थव्यवस्था,विनिर्माण और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। चुनौतियों के बावजूद,सही नीतियों और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर ध्यान केंद्रित करके, एमएसएमई विकसित भारत की नींव को मजबूत कर सकते हैं...

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बीते दिनों बैंकों के लिए माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) को गिरवी मुक्त या बिना किसी गारंटी के ऋण देने की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया। इस वर्ष अप्रैल के बाद से सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण पर रिजर्व बैंक का यह फैसला प्रभावी होगा। 'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' ऋण लेने वाले उद्यमियों की गारंटी लेगा। निश्चित रूप से आरबीआई की यह पहल एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर पहल सिद्ध होगी। ध्यातव्य रहे कि इस बार के बजट में वित्त मंत्री ने एमएसएमई की क्रेडिट सुविधा बढ़ाने और उनके लिए अलग से 10,000 करोड़ रुपये का फंड बनाने की घोषणा की है।

आर्थिक समीक्षा 2025-26 बताती है कि एमएसएमई भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। यह क्षेत्र देश के कुल विनिर्माण उत्पादन का लगभग 35.4 प्रतिशत,कुल निर्यात का लगभग 48.58 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 31.1 प्रतिशत योगदान करता है। देश में 7.47 करोड़ से अधिक उद्यम,जो लगभग 32.82 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं, इस क्षेत्र को कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगारप्रदाता बनाते हैं।

वैश्विक स्तर पर भी लगभग 90 प्रतिशत व्यवसाय एमएसएमई स्वरूप में ही हैं और कुल वैश्विक रोजगार का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा प्रदान करते हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक एकीकरण की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में एमएसएमई की भूमिका प्रभावी आपूर्ति-श्रृंखला,स्थानीय मूल्य संवर्धन और समावेशी क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गौरतलब है कि 2024 में 'उद्यमी भारत-एमएसएमई दिवस' के अवसर पर यशस्विनी अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य 2029 तक लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई की सार्वजनिक खरीद में न्यूनतम तीन प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है। गत वर्ष मिजोरम में संचालित अभियान से लगभग 8,400 महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई का पंजीकरण संभव हुआ। इसके तहत अब तक 12.5 लाख से अधिक महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई के पंजीकरण को सुगम बनाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) द्वारा प्रकाशित 'औद्योगिक विकास रिपोर्ट 2024' में भारत का उल्लेख उभरती औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत जैसे देशों में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार तेजी से हो रहा है और औद्योगिक विविधीकरण बढ़ रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी मजबूत करने की क्षमता रखता है। हालांकि एमएसएमई क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी कुछ संरचनात्मक चुनौतियां अब भी मौजूद हैं। भुगतान में देरी की समस्या, तकनीकी आधुनिकीकरण की कमी, सीमित वैश्विक ब्रांड पहचान जैसे मुद्दे इस क्षेत्र की गति को प्रभावित करते हैं। पंजीकरण की संख्या निशित रूप से एक सशक्त तस्वीर पेश करती है,परंतु उसके साथ आवश्यकता प्रति उद्यम उत्पादकता, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ करने की है। यदि इन चुनौतियों का समाधान समयबद्ध एवं प्रभावी नीति के जरिये किया जाए तो एमएसएमई देश की आर्थिक छलांग का बड़ा आधार बन सकते हैं।

दक्षिण कोरिया और जापान की अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में लघु एवं मध्यम उद्योगों की भूमिका स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। दक्षिण कोरिया ने 'लघु और मध्यम उद्यमों के लिए रूपरेखा अधिनियम (फ्रेमवर्क एक्ट आन स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज)' तथा 'लघु, मध्यम उद्यम एवं स्टार्टअप मंत्रालय (मिनिस्ट्री आफ एसएमईज एंड स्टार्टअप्स)' के माध्यम से छोटे उद्योगों को अनुसंधान-विकास सहायता, स्केल-अप रणनीति और कानूनी संरक्षण से जोड़ा है।

वहीं दूसरी ओर जापान ने 'लघु एवं मध्यम उद्यम मूल अधिनियम (स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज बेसिक एक्ट)' के तहत अपने उद्योगों को आपूर्ति-श्रृंखला आधारित 'केइरेत्सु' माडल, उच्च गुणवत्ता मानकों और तकनीकी नवाचार से सशक्त किया। इन दोनों मॉडलों की समानता यह है कि उन्होंने एमएसएमई हेतु एक पोषणात्मक व्यवस्था ही गठित नहीं की, अपितु उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुंचाने की संरचित व्यवस्था विकसित की। यदि भारत भी इसी प्रकार स्पष्ट स्केल-अप नीति और गुणवत्ता-प्रधान औद्योगिक समन्वय को सुदृढ़ करे, तो एमएसएमई 'विकसित भारत' की आधारशिला को और अधिक मजबूत बना सकता है।

आर्थिक-सामाजिक विकास में एमएसएमई कम पूंजी लागत पर पर्याप्त रोजगार सृजित करता है,सहायक इकाइयों के रूप में बड़े उद्योगों को सहयोग देता है और ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगीकरण को बढ़ावा देता है। ऐसे में भारत को एमएसएमई के लिए दीर्घकालिक और किफायती पूंजी उपलब्ध कराने, तकनीकी उन्नयन को प्रोत्साहित करने तथा निर्यात-उन्मुख ब्रांड निर्माण को बढ़ावा देने की दरकार है। समयबद्ध भुगतान तंत्र का क्रियान्वयन और हरित उत्पादन पद्धतियों को प्रोत्साहन भी अनिवार्य होंगे। यदि एमएसएमई को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने की स्पष्ट रणनीति दी जाए,तो वे विकसित भारत की आर्थिक संरचना को निर्णायक रूप से सुदृढ़ कर सकते हैं।

वासुदेव बलवंत फड़के:सशस्त्र क्रांति के पितामह

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

पूणे में स्थित सैन्य लेखा विभाग के अधिकारी कक्ष में घुसते ही उस 25 वर्षीय युवक ने अधिकारी की मेज पर एक तार रख छुट्टी देने हेतु प्रार्थना की। युवक के चेहरे पर अधीरता,व्याकुलता एवं व्यग्रता के भाव पसरे हुए थे,सांसें गहरी और धीमी हो गई थीं। अधिकारी ने तार पढ़ना शुरू किया,प्रिय वासु,मां मृत्युशय्या पर है। अंतिम दर्शन करने हो तो तुरंत घर आ जाओ। अधिकारी ने युवक के चेहरे पर नजर गड़ाते हुए कहा कि काम की अधिकता है। छुट्टी नहीं मिलेगी। वह युवक मुड़ा और सीधे अपने गांव की ओर चल पड़ा। दुर्भाग्य! उसके पहुंचने से पूर्व ही मां स्वर्ग सिधार गयी थी। युवक का चेहरा तमतमा गया और अंग्रेज सरकार की नौकरी छोड़ उसे जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प ले सशस्त्र विद्रोह की तैयारी में जुट गया और अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी। उसके नाम से ही अंग्रेज भयाक्रांत हो जाते थे। इतिहास में उसे भारतीय उग्र राष्ट्रवाद का पितामह कहा गया तो सशस्त्र संघर्ष छेड़ने वाला प्रथम क्रांतिकारी भी। वह युवक है वासुदेव बलवंत फड़के,जिसे जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए अंग्रेजी सत्ता ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

वासुदेव बलवंत फड़के का जन्म बाम्बे प्रेसीडेंसी अंतर्गत थाणे के निकट शिरढोण गांव में चितपावन ब्राह्मण परिवार में पिता बलवंत फड़के एवं माता सरस्वती बाई के घर हुआ था, जो अब रायगढ़ जिला में आता है। परिवार में बालक को सभी प्यार से वासु कहते थे। वासुदेव की शुरुआती पढ़ाई गांव में ही हुई। मराठी के साथ ही आपने रुचि पूर्वक अंग्रेजी भाषा का भी अध्ययन किया और महारत हासिल की। पढ़ाई के साथ ही वासुदेव नियमित रूप से अखाड़े जाकर कुश्ती,तलवारबाजी और घुड़सवारी का अभ्यास करते थे। वह जब हाईस्कूल कर रहे थे,तब पिता ने पढ़ाई छोड़कर 10 रुपए मासिक पर एक व्यापारी के यहां नौकरी करने हेतु कहा। किंतु वासुदेव आगे पढ़ना चाहते थे, इसीलिए घर से वह मुम्बई चले गये और जीआरपी में 20 रुपए मासिक वेतन पर सेवा करते हुए वर्ष 1862 में मुम्बई विद्यापीठ से स्नातक पूर्ण किया। उस समय स्नातक पूर्ण करने वाले वह कुछ गिने-चुने लोगों में से एक थे। मानव जीवन में शिक्षा के महत्व से वह सर्वथा परिचित थे। तभी तो 1860 में आपने दो-तीन साथियों के साथ मिलकर महाराष्ट्र एजुकेशन सोसायटी का गठन किया और पुणे में एक शिक्षा संस्थान खोला। आज इस सोसायटी द्वारा पूरे महाराष्ट्र में 75 से अधिक शिक्षण संस्थान संचालित किये जा रहे हैं।

वासुदेव बलवंत फड़के दो-तीन संस्थाओं में कार्य करते हुए अंततः 1865 में सैन्य लेखा विभाग में नौकरी पाकर पुणे आ गये। वह पुणे में भी कुश्ती के अभ्यास हेतु प्रसिद्ध पहलवान लाहुजी राघोजी साल्वे के अखाड़े में जाने लगे थे। लाहुजी पहलवानी के साथ ही युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव भी भरते थे। अंग्रेजों के विरुद्ध उठ खड़े होने का आह्वान करते थे। वासुदेव लाहुजी साल्वे को अभिभावक एवं मार्गदर्शक के रूप में मानने लगे। इसी बीच महादेव गोविंद रानाडे का पुणे में भाषण हुआ, जिसमें रानाडे ने अंग्रेजों द्वारा भारत की आर्थिक लूट एवं किसानों के शोषण सम्बंधित महत्त्वपूर्ण विचार जनता के समझ रखते हुए जन जागरण की अपील किया उनके भाषण से वासुदेव बहुत प्रभावित हुए और उनको एक दिशा मिली। अब वासुदेव कार्यालय से बचे समय का सदुपयोग आसपास के गांवों में लोगों से बातचीत करते हुए लोक जागरण में करने लगे। गांव-गांव घूम-घूम कर किसानों,युवाओं,मजदूरों, विद्यार्थियों और महिलाओं से गम्भीरता पूर्वक संवाद करने और लोगों को जगाने वाले वह पहले व्यक्ति थे। इसके पूर्व 1859 में उनका विवाह सईबाई से हो चुका था और संतान के रूप में एक पुत्री मथुताई प्राप्त हुई थी,किंतु किसी रोग से पत्नी की वर्ष 1872 में मृत्यु हो गई। वासुदेव का दूसरा विवाह गोपिका बाई से 1873 में सम्पन्न हुआ। तत्कालीन समाज की सोच के विरुद्ध आपने पत्नी को पढ़ना-लिखना के साथ घुड़सवारी और तलवारबाजी सिखाई। इसी बीच माता सरस्वती बाई का निधन हुआ, जिसका प्रसंग लेख के आरम्भ में दिया गया गया और वासुदेव नौकरी का त्याग कर अंग्रेजों के विरुद्ध समाज संगठन के काम में जुट गये।

1875-76 में महाराष्ट्र में भीषण अकाल पड़ा, चतुर्दिक त्राहि-त्राहि मच गई। जनता के लिए भोजन का प्रबंध करना मुश्किल हो गया,ऊपर से अंग्रेजों का जुल्म-अत्याचार चरम पर था। इससे क्षुब्ध वासुदेव ने भील, कोली और धांगर जाति समूहों के युवाओं का रामोशी नामक संगठन बना अंग्रेजी कोष लूटने हेतु पुणे निवासी अंग्रेजों के विश्वासपात्र व्यापारी के यहां रखे गये लगान और आयकर का रुपया छापा मार कर लूट लिया तथा भूखी जनता के भोजन का प्रबंध किया। अंग्रेजों की बड़ी किरकिरी हुई। अब अंग्रेज अधिकारी और सिपाही वासुदेव के पीछे पड़ गये। अंग्रेजों का सामना करने के लिए फ़रवरी 1879 में वासुदेव ने 300 आदमियों की एक सशस्त्र फौज बनाई और 13 मई,1879 की अर्धरात्रि को एक अंग्रेजों के प्रमुख भवन को आग लगा दी, जिसमें अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक कार्यवाही चल रही थी। कुपित अंग्रेज अधिकारी ने वासुदेव को पकड़ने हेतु 50 हजार का इनाम घोषित किया। अगले ही दिन वासुदेव फड़के ने पलटवार करते हुए अपने हस्ताक्षर से मुम्बई में इश्तहार लगवा दिये जिसमें गवर्नर रिचर्ड का सिर काटने वाले को 75 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इससे अंग्रेज बौखला गए। वासुदेव को पकड़ने हेतु पूरी ताकत झोंक दी और वासुदेव के बहुत साथियों को पकड़ लिया या मार दिया। अपनी ताकत कम देख संयम से काम लेते हुए वासुदेव हैदराबाद निकल गये किंतु अंग्रेजों और निजाम हैदराबाद की सेना संयुक्त रूप से वासुदेव को घेरने लगी। एक स्थानीय निवासी ने इनाम के प्रलोभन में एक मंदिर में शरण लिए वासुदेव बलवंत फड़के का पता अंग्रेजों को दे दिया। 20 जुलाई, 1879 को बीजापुर के देवर नवादगी ग्राम के मंदिर में सोते समय वासुदेव को गिरफ्तार कर पुणे की यरवदा जेल में बंद कर दिया गया। तत्पश्चात राजद्रोह का मुकदमा चला, आजन्म कारावास की सजा हुई और भारत की मुख्य भूमि से दूर मध्य-पूर्व देश यमन की अदन जेल में कैद कर अमानवीय यातनाएं दीं। उनको तपेदिक रोग हो गया और 17 फरवरी, 1883 को भारत माता के इस महान सपूत ने स्वतंत्रता के महायज्ञ में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके बलिदान को नमन कर भारत सरकार ने वर्ष 1984 में 50 पैसे का डाक टिकट जारी किया। मुम्बई के चौक का नामकरण उनके नाम पर हुआ और गिरफ्तारी स्थल को एक स्मारक के रूप में सुसज्जित किया ताकि आने वाली पीढ़ी भारत के उस महान क्रांतिकारी के योगदान से परिचित हो सके जिसके नामोल्लेख मात्र से आजादी के आंदोलन में युवाओं में त्याग एवं बलिदान की भावना बलवती होती रही। वासुदेव बलवंत फड़के की पुण्यतिथि पर देश श्रद्धा सुमन समर्पित कर रहा है।

बंगाल का भविष्य:धर्म की लहर या प्रगति की राह?

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो,पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं,बल्कि पहचान,अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं,बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बे ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष,वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है,बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गड़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना,शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं,दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला,तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जो ती हैं-बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है,पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रुवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है,तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं,राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास,रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मो था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं,और कई राज्यों में उन्हें'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं,आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई.और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रुवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पे ता है। यदि चुनाव केवल कौन किसका प्रतिनिधि है तक सीमित रह गया, तो कौन क्या करेगा का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

नींद सम्पूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की आधारशिला

सुभाष बुड़ावन वाला

आधुनिक जीवनशैली में नींद केवल विश्राम का माध्यम नहीं,बल्कि सम्पूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की आधारशिला मानी जा रही है। अमेरिका में पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय के पेरलमान स्कूल ऑफ मेडिसीन द्वारा किए गए अध्ययन ने यह स्पष्ट किया कि केवल तनाव ही नहीं,बल्कि पौष्टिक आहार की कमी भी कम नींद का बड़ा कारण बन सकती है। नेशनल हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एग्जामिनेशन सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जो लोग प्रतिदिन सात से आठ घंटे की संतुलित नींद लेते हैं,उनके भोजन में विविधता और आवश्यक पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। इसके विपरीत कम सोने वाले लोगों में प्रोटीन,विटामिन,खनिज, कार्बोहाइड्रेट और एंटीऑक्सिडेंट की कमी देखी गई। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अपर्याप्त नींद लेने वालों के शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा होने की प्रवृत्ति अधिक होती है,जो आगे चलकर मोटापा, मधुमेह,उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोगों का कारण बन सकती है। आधुनिक विज्ञान यह मानता है कि नींद शरीर की जैविक घड़ी यानी सर्कैडियन रिद्म से नियंत्रित होती है, जिसे भोजन, प्रकाश और जीवनशैली गहराई से प्रभावित करते हैं।

अत्याधुनिक शोधों में अब यह सामने आया है कि आंतों में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु समुदाय यानी गट माइक्रोबायोम भी नींद की गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है। संतुलित और फाइबरयुक्त आहार गट बैक्टीरिया को स्वस्थ रखता है, जिससे मेलाटोनिन और सेरोटोनिन जैसे हार्मोन का संतुलन बेहतर होता है और नींद गहरी आती है। हाल के न्यूरोसाइंस अध्ययनों में यह सिद्ध हुआ है कि नींद के दौरान मस्तिष्क में ग्लिम्फैटिक सिस्टम सक्रिय होकर विषैले अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालता है,जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। यदि नींद पूरी न हो तो यह सफाई प्रक्रिया बाधित होती है और मस्तिष्क की कोशिकाओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

आधुनिक प्रयोगशालाओं में किए गए जीन एक्सप्रेशन संबंधी अध्ययनों से पता चला है कि पर्याप्त नींद सैकड़ों जीनों की सक्रियता को संतुलित करती है, जो प्रतिरक्षा तंत्र,सूजन नियंत्रण और चयापचय से जुड़े होते हैं। ब्रिटेन के स्लीप रिसर्च सेंटर में किए गए प्रयोगों में पाया गया कि केवल एक घंटे की अतिरिक्त नींद लेने से रक्त में सूजनकारी प्रोटीन का स्तर घटता है और इम्यून सिस्टम अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करता है। नींद की कमी से कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे इंसुलिन प्रतिरोध बढ़ सकता है और डायबिटीज का खतरा उत्पन्न होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रात का भोजन हल्का और सुपाच्य होना चाहिए तथा सोने से तीन से चार घंटे पहले भोजन कर लेना चाहिए ताकि पाचन प्रक्रिया पूरी हो सके। सोने से पूर्व हल्दी या अदरक युक्त दूध का सेवन शरीर को शांत करता है और मांसपेशियों को आराम देता है।

शरीर में पानी की कमी भी अनिद्रा का कारण बन सकती है, इसलिए दिनभर पर्याप्त जल सेवन आवश्यक है। विटामिन सी से भरपूर फल जैसे संतरा,अमरूद, कीवी, पपीता और शिमला मिर्च न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं बल्कि नींद में भी सहायक होते हैं। सिलीनीयम, जो मछली, अंडे और नट्स में पाया जाता है, नींद की गुणवत्ता सुधारने में सहायक माना गया है। शाकाहारी लोग सनफ्लावर सीड्स, मशरूम,चना,जौ,ब्राउन राइस और ओट्स का सेवन कर सकते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाने वाला ल्यूटिन और जैक्सैन्थिन तथा टमाटर और गाजर में पाया जाने वाला लाइकोपीन एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं और कोशिकाओं को क्षति से बचाते हैं। कार्बोहाइड्रेट की संतुलित मात्रा भी आवश्यक है क्योंकि यह ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड को मस्तिष्क तक पहुंचाने में मदद करता है, जिससे मेलाटोनिन का निर्माण बढ़ता है।

अत्याधुनिक शोधों में अब वेयरेबल डिवाइस और स्मार्टवॉच के माध्यम से नींद की गुणवत्ता मापी जा रही है, जिनसे यह पता चलता है कि गहरी नींद, हल्की नींद और आरईएम नींद का अनुपात कैसा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण यह संकेत दे रहा है कि नियमित सोने-जागने का समय बनाए रखने वाले लोगों की हार्ट रेट वैरिएबिलिटी बेहतर होती है और उनका मानसिक स्वास्थ्य अधिक संतुलित रहता है। हालिया अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि रात में मोबाइल और लैपटॉप से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन के स्राव को कम कर देती है, जिससे नींद आने में विलंब होता है। इसलिए सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन से दूरी बनाना लाभदायक है। ध्यान,योग और श्वास-प्रश्वास तकनीकों पर किए गए न्यूरोइमेजिंग अध्ययनों में पाया गया कि नियमित ध्यान करने वालों के मस्तिष्क में अमिगडाला की सक्रियता कम होती है और वे तनाव से जल्दी उबरते हैं, जिससे नींद बेहतर होती है।

शोध यह भी बताता है कि नियमित व्यायाम करने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और गहरी नींद की अवधि बढ़ती है। हालांकि अत्यधिक देर रात व्यायाम करने से उत्तेजना बढ़ सकती है,इसलिए शाम तक व्यायाम समाप्त करना उचित है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान अब नींद को चौथे स्तंभ के रूप में देख रहा है,जहां आहार, व्यायाम और मानसिक संतुलन के साथ नींद को समान महत्व दिया जा रहा है। क्रोनो-न्यूट्रिशन नामक नई अवधारणा यह बताती है कि भोजन का समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना भोजन का प्रकार, क्योंकि शरीर की जैविक घड़ी दिन और रात के अनुसार पाचन और हार्मोन स्राव को नियंत्रित करती है। देर रात भारी भोजन करने से सर्कैडियन रिद्म प्रभावित होती है और नींद की गुणवत्ता घटती है।

नींद के बारे में हर किसी की अपनी एक अलग आदत होती है। कुछ लोग किसी भी वक्त झपकी ले सकते हैं और कुछ इस कोशिश में ही जागते रह जाते हैं कि काश किसी तरह नींद आ तो जाए।

बहुतेरे लोग सोने से पहले म्यूजिक सुनना पसंद करते हैं और कुछ को टीवी देखते देखते नींद में चले जाना अच्छा लगता है। कुछ लोग बगैर नाइट लैंप के नहीं सो पाते और कुछ को सोते समय जरा सी भी रोशनी बर्दाश्त नहीं होती।

वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि नियमित रूप से सात से आठ घंटे की नींद लेने से स्मरण शक्ति, निर्णय क्षमता और भावनात्मक संतुलन बेहतर रहता है। किशोरों और युवाओं में नींद की कमी अवसाद और चिंता के जोखिम को बढ़ा सकती है। बुजुर्गों में गहरी नींद की अवधि कम हो जाती है,इसलिए उन्हें दिनचर्या, प्रकाश और हल्के व्यायाम पर विशेष ध्यान देना चाहिए। निष्कर्षतः अत्याधुनिक शोध यह स्पष्ट करते हैं कि संतुलित और पोषक आहार,पर्याप्त जल सेवन,नियमित दिनचर्या, स्क्रीन से दूरी,मानसिक शांति और सात से आठ घंटे की नियमित नींद मिलकर स्वस्थ जीवन का आधार बनाते हैं। यदि हम अपने खानपान और जीवनशैली में सुधार लाएं तो अनिद्रा, मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है। नींद केवल आराम नहीं बल्कि शरीर की मरम्मत, मस्तिष्क की सफाई,हार्मोन संतुलन और दीर्घायु का महत्वपूर्ण साधन है,इसलिए इसे नजरअंदाज करना भविष्य के स्वास्थ्य को जोखिम में डालने जैसा है। स्वस्थ आहार और संतुलित जीवनशैली अपनाकर हम न केवल अच्छी नींद पा सकते हैं बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य की दिशा में एक मजबूत कदम भी बढ़ा सकते हैं!

एपस्टीन फाइल्स : सच, सन्नाटा और समाज का आईना

प्रफुल्ल सिंह

जेफ्री एपस्टीन का नाम आज केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं रह गया है; वह एक ऐसे अंधेरे अध्याय का प्रतीक बन चुका है, जिसने मानवता,न्याय और नैतिकता-तीनों को कठघरे में खड़ा कर दिया। एपस्टीन फाइल्स केवल कागज़ों का पुलिंदा नहीं हैं। वे उन अनसुनी आवाज़ों की प्रतिध्वनि हैं,जिन्हें कभी शक्ति, प्रभाव और धन के शोर में दबा दिया गया था।

जब यह मामला सामने आया,तो दुनिया ने देखा कि कैसे प्रभावशाली लोगों के बीच भी अपराध छिप सकते हैं। कैसे सत्ता और संपर्क कभी-कभी सच्चाई पर पर्दा डाल देते हैं। और कैसे पीड़ितों की चुप्पी को वर्षों तक अनसुना किया जाता है।इन फाइल्स में सिर्फ नाम नहीं हैं—इनमें विश्वासघात की कहानियाँ हैं, टूटे हुए बचपन हैं, और उस समाज का आईना है जो कभी-कभी सच जानकर भी चुप रह जाता है। कई लोगों के लिए यह केवल एक स्कैंडल हो सकता है। पर जिनकी ज़िंदगियाँ प्रभावित हुईं, उनके लिए यह जीवन भर का घाव है।एपस्टीन की कहानी हमें यह सिखाती है कि न्याय में देर हो सकती है, पर सच को पूरी तरह दफन नहीं किया जा सकता। जब दस्तावेज़ खुलते हैं, तो केवल तथ्य नहीं निकलते -वे हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को भी उजागर करते हैं।यह आलेख किसी सनसनी के लिए नहीं, बल्कि एक स्मरण के लिए है-कि समाज की वास्तविक शक्ति उसके प्रभावशाली लोगों में नहीं, बल्कि उसके नैतिक साहस में होती है। जब भी एपस्टीन फाइल्स का नाम लिया जाएगा, वह हमें याद दिलाएगा-कि चुप्पी भी कभी-कभी अपराध की साझेदार बन जाती है। और सच बोलना, चाहे देर से ही सही, मानवता का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

मैनपाट महोत्सव का भव्य समापन,सांसद श्री चिंतामणि महाराज रहे मुख्य अतिथि

मैनपाट महोत्सव सरगुजा जिले की पहचान,आने वाले वर्षों में होगा और भव्य आयोजन : सांसद

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार रही महोत्सव की शाम,कवि सम्मेलन ने बांधा समा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक वैभव के लिए प्रसिद्ध मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का समापन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सरगुजा की पहचान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शुभारंभ अवसर पर जिले को विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात दी गई है, जिससे क्षेत्र में अधोसंरचना और पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। सांसद ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में मैनपाट निरंतर आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय आयोजन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों,लोककला,पारंपरिक व्यंजनों एवं मनोरंजन गतिविधियों ने पर्यटकों को आकर्षित किया है। समापन समारोह में सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो ने अपने संबोधन में कहा

कि मैनपाट महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति,परंपरा और प्रकृति से जुड़ाव का माध्यम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा मैनपाट में पर्यटन विकास हेतु 1 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की गई है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने तीन दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या,खेल प्रतियोगिताएं, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी,पर्यटन गतिविधियां एवं अन्य आकर्षक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, कलाकारों,अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैनपाट पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है और भविष्य में यह आयोजन और अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग, जनपद पंचायत मैनपाट अध्यक्ष संतोषी पैंकरा, उपाध्यक्ष श्री अनिल सिंह, ग्राम पंचायत रोपाखार के सरपंच श्री सुखुराम, जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे, श्री रजनीश पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, डीएफओ श्री अभिषेक जोगावत, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की धमाकेदार प्रस्तुति के साथ मैनपाट महोत्सव 2026 का हुआ भव्य समापन

जिले में 13 से 15 फरवरी तक आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का भव्य समापन रविवार को उत्साह,उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। अंतिम दिवस के मुख्य आकर्षण के रूप में बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध गायिका कनिका कपूर की लाइव प्रस्तुति ने समापन समारोह को यादगार बना दिया। कनिका कपूर ने अपने लोकप्रिय गीत 'चिट्टियां कलाइयां ','बेबी डॉल ','यार ना मिले' सहित कई सुपरहिट बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शक झूम उठे। महोत्सव स्थल तालियों और उत्साह से गूंजता रहा। कार्यक्रम में रायगढ़ के कलाकार राकेश शर्मा ने भक्ति, सूफी एवं लोकगीतों की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी रंगारंग संध्या

महोत्सव की अंतिम शाम गीत-संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों से सराबोर रही। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रस्तुत शिव भजन एवं शिव ताण्डव नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्होंने आध्यात्मिक वातावरण का सृजन किया स्थानीय कलाकारों में राहुल मण्डल, मानवी भगत,जय किशन विश्वास, शिवम सिन्हा सहित अन्य प्रतिभाओं ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों की सराहना प्राप्त की। अन्य जिलों से आए कलाकारों में कोरिया जिले के सचिन्द्र कुमार एवं मनेन्द्रगढ़ की जसमीत कौर ने गीत-संगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। बिलासपुर की नृत्यांगना ज्योति श्री वैष्णव ने कत्थक नृत्य की उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर शास्त्रीय नृत्य की गरिमा को मंच पर साकार किया।आनंद कुमार गुप्ता मदारी आर्ट ग्रुप द्वारा प्रस्तुत भजन, संगीत एवं लोकनृत्य ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। विविध सांस्कृतिक विधाओं का समावेश महोत्सव को बहुरंगी और बहुआयामी स्वरूप प्रदान करता रहा।

सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने किया विभागीय स्टॉलों का अवलोकन

मैनपाट महोत्सव के अवसर पर सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक पहुंच के संबंध में चर्चा की तथा आमजन तक अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल में वीबी राम जी तथा अटल पंचायत डिजिटल केंद्र की जानकारी प्रदर्शित की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया,जिसे सांसद ने सराहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी),प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की जानकारी दी गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं के साथ नशामुक्ति विषय पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। आदिवासी विकास विभाग ने पीएम जनमन योजना सहित जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए पारंपरिक आभूषण,जड़ी-बूटियां एवं उपयोगी सामग्री प्रदर्शित की। कृषि विभाग द्वारा दलहन आत्मनिर्भर मिशन (2025-31) पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। केंद्रीय जेल द्वारा बंदियों के कौशल से निर्मित सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया। रेशम विभाग ने रेशम की खेती एवं प्रसंस्करण से संबंधित जानकारी के साथ निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा हस्तशिल्प के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर आधारित प्रदर्शनी तथा वन विभाग द्वारा वन संपदा पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई।

बिलुप्त होती स्थानीय भाषा को लेकर आयोग के प्रांतीय अध्यक्ष ने साहित्यकारों से की चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज भाषा आयोग के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. प्रभात मिश्रा 14 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर अंबिकापुर पहुंचे थे। उन्होंने सर्किट हाउस में जिले के साहित्यकारों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने स्थानीय बोली के प्रचार प्रसार को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की स्थानीय भाषा के उत्थान के लिए आयोग के माध्यम से किस प्रकार कार्य किया जा सकता है। आप सभी आलेख के माध्यम से अपने सुझाव आयोग को प्रेषित करें, जिससे हम उसके अनुरूप कुछ कार्य कर पाएं। साहित्यकारों से प्रभात मिश्रा ने कहा कि आप सभी उन बोलियों पर कार्य करें जो बिलुप्त होने के कगार पर है, हम उन्हें संरक्षित कैसे करें ये कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर आयोग के जिला समन्वयक राजेश तिवारी,डॉ. सुधीर पाठक, रंजीत सारथी,डॉ. अंचल सिन्हा और देवेन्द्र दुबे ने भी अपने-अपने विचार रखा। बैठक में साहित्यकार बीडी लाल,डॉ. दीपलता देशमुख, आशा पांडेय,अजय श्रीवास्तव,अनिल त्रिपाठी,मुकुन्द लाल साहू, कृष्णा कान्त पाठक,राजेश पांडेय,संतोष दास,डॉ. उमेश पांडेय, माधुरी जायसवाल,राज लक्ष्मी पांडेय,निलिमा जायसवाल सहित अन्य शामिल रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती हेतु 02 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (शहरी) के परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी सहायिका के 01 रिक्त पद हेतु खुली भर्ती से आवेदन पत्र 02 मार्च तक आमंत्रित किये गये हैं। आंगनबाड़ी सहायिका हेतु नेताजी सुभाषचन्द्र बोस वार्ड क्र. 22 आंगनबाड़ी केन्द्र तकिया रोड केदारपुर में भर्ती की जानी है। जिसकी सूची एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं आयुक्त नगर पालिका निगम अम्बिकापुर के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी गई है। इस हेतु केवल महिला ही आवेदन कर सकती हैं वे अपना आवेदन पत्र बाल विकास परियोजना अंबिकापुर (शहरी) में कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय पर जमा अथवा पंजीकृत डाक द्वारा निर्धारित अवधि तक भेज सकते हैं।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा : सरगुजा में 17,759 विद्यार्थी होंगे शामिल,बनाए गए 75 परीक्षा केंद्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 की शुरुआत 20 फरवरी से होने जा रही है। परीक्षा को लेकर जिले में तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

सोमवार को अंबिकापुर स्थित मल्टीपरपज स्कूल से परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण सभी परीक्षा केंद्राध्यक्षों को किया गया। सामग्री वितरण के दौरान पूरे दिन गतिविधियां तेज रहीं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2026 हायर सेकण्डरी 20 फरवरी से 18 मार्च तक तथा हाईस्कूल

परीक्षा 21 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होगी। इस वर्ष जिले में हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए 75 केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। इसमें 17 हजार 759 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। सोमवार को परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण अंबिकापुर मल्टीपरपज स्कूल से किया गया। परीक्षा सामग्री लेने के बाद केंद्राध्यक्षों ने मिलान कर समन्वयक केंद्र में ही पेटी में सील की। इसके बाद निर्धारित रूट वाली टीम को एक साथ बस में बैठाकर पुलिस की सुरक्षा में रवाना किया गया। केंद्राध्यक्षों ने परीक्षा सामग्री अपने-अपने नजदीक के थाने पुलिस चौकी में लेकर जाकर जमा कर दी। अब परीक्षा के दिन पुलिस की मौजूदगी में थाने से गोपनीय सामग्री दी जाएगी।

थानों में सुरक्षित रखी गई गोपनीय सामग्री : परीक्षा सामग्री लेने के बाद केंद्राध्यक्षों ने समन्वयक केंद्र में दस्तावेजों का मिलान कर पेटियों को सील किया। इसके बाद निर्धारित रूट के अनुसार सभी टीमों को पुलिस सुरक्षा में बसों के माध्यम से रवाना किया गया। गोपनीय सामग्री जिले के 14 थाना एवं चौकियों में कड़ी सुरक्षा के बीच रखी गई है। परीक्षा के दिन पुलिस की मौजूदगी में सामग्री केंद्राध्यक्षों को सौंपी जाएगी।

नकल रोकने बनाए गए 14 उडऩदस्ता दल : परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त व्यवस्था की है। कलेक्टर सरगुजा द्वारा 10 उडऩदस्ता दल गठित किए गए हैं। वहीं संयुक्त संचालक शिक्षा एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 2-2 अतिरिक्त उडऩदस्ता टीम बनाई गई हैं।

विद्यार्थी तैयारी में जुटे : बोर्ड परीक्षा में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विद्यार्थी दिन-रात पढ़ाई में जुटे हुए हैं। स्कूलों द्वारा भी विशेष कक्षाओं और मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों को तैयार किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार सरगुजा जिले का परिणाम उत्कृष्ट रहेगा।

ग्रामीणों ने रेंजर-गार्ड पर 20 एकड़ वन भूमि बेचने का लगाया आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा वन मंडल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र अंबिकापुर के बीट खालिबा में वन भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने रेंजर और फॉरेस्ट गार्ड पर मिलीभगत कर 20 एकड़ से अधिक वन भूमि को छोडऩे और अवैध तरीके से नई जगह पर सीपीटी गड्ढे खोदने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर सोमवार को ग्राम खालिबा के निवासियों ने अधिवक्ता डीके सोनी के नेतृत्व में मुख्य वन संरक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि पुराने सीपीटी गड्ढों की खुदाई न कर कुछ लोगों से मिलीभगत करते हुए लगभग 20 एकड़ क्षेत्र को छोड़ दिया गया। साथ ही गांव के

निस्तार और आवागमन के रास्ते को भी बंद कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर रेंजर एवं वन कर्मियों द्वारा सुनवाई नहीं की गई,बल्कि उन्हें धमकाने की बात भी सामने आई है। जंगल और वन भूमि की सुरक्षा को लेकर गांव की महिलाएं भी बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुईं। ग्रामीणों का कहना है कि वन क्षेत्र में अवैध कब्जा और भूमि के दुरुपयोग को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिकायत मिलने के बाद मुख्य वन संरक्षक सरगुजा दिलराज प्रभाकर ने वनमंडलाधिकारी सरगुजा को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा ऐसे मामलों में सहयोग करने वाले विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

C M Y K

घोटाला करो, सस्पेंड हो...फिर बहाल होकर वापस आओ!

भैयाथान सहकारी बैंक बना 'री-एंट्री सेंटर'?

घोटाला करो...सस्पेंड हो...फिर बहाल होकर लौट आओ! सहकारिता विभाग का नया फॉर्मूला?

- 2.25 करोड़ पशुपालन से 35 लाख बीमा तक-भैयाथान शाखा में आरोपित अफसरों की वापसी पर बवाल
- बैंक या 'री-एंट्री क्लब' ? कार्रवाई झेल चुके मैनेजरों की बहाली पर उठे सवाल
- सूटकेस की ताकत या राजनीतिक एप्रोच? भैयाथान बैंक में अंदरखाने खेल की चर्चा
- जांच रिपोर्ट फाइलों में...बहाली की तैयारी मैदान में... सहकारिता विभाग की चुप्पी क्यों?
- अजीत सिंह की वापसी के बाद जगदीश कुशवाहा की बहाली की चर्चाएं तेज,बैंक बोर्ड की भूमिका पर भी निगाहें

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सहकारिता विभाग में नियम-कायदे किताबों तक सीमित हैं या जमीन पर भी लागू होते हैं – यह सवाल इन दिनों जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर की भैयाथान शाखा को लेकर जोर पकड़ रहा है, वजह हैं दो नाम, दो बड़े घोटाले और अब बहाली की चर्चाओं का नया अध्याय,आरोप है कि जिन अधिकारियों पर करोड़ों की अनियमितताओं के साए रहे,वही अब फिर से सिस्टम में लौटने की तैयारी में हैं।

पहला अध्यायः अजीत सिंह और 2.25 करोड़ का पशुपालन ऋण प्रकरण

भैयाथान शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अजीत सिंह का नाम उस समय सुर्खियों में आया था,जब पशुपालन ऋण वितरण में करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपये की गड़बड़ी के आरोप लगे,कलेक्टर कार्यालय के आदेश पर गठित जांच टीम की रिपोर्ट में कई हितग्राहियों के नाम पर फर्जी या संदिग्ध ऋण वितरण,दस्तावेजों की कमी और नियमों की अनदेखी जैसे बिंदु सामने आए थे,जांच में यह भी सामने आया कि कई मामलों में पशु मौजूद ही नहीं थे,लेकिन कागजों में ऋण पास हो गया, सवाल यह उठा कि क्या बैंक की आंखें बंद थीं या किसी ने जानबूझकर परदे गिरा दिए थे?

दूसरा अध्यायः जगदीश कुशवाहा और 35.38 लाख का फसल बीमा विवाद

इसके बाद चर्चा में आया दूसरा नाम–जगदीश कुशवाहा,जो तत्कालीन शाखा प्रबंधक रहे। आरोप है कि उनके कार्यकाल में करीब 35 लाख 38 हजार रुपये के फसल बीमा प्रकरण में अनियमितताएं सामने आईं,स्थानीय स्तर पर यह मामला लंबे समय तक चर्चाओं में रहा,लेकिन अंतिम कार्रवाई और जवाबदेही को लेकर आज भी कई सवाल हवा में तैर रहे हैं।

बहाली की 'इनसाइड स्टोरी' सिस्टम मजबूत या मेहरबानी?

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि पहले कार्रवाई झेल चुके अजीत सिंह की बहाली हो चुकी है और अब उन्हीं के जरिए जगदीश कुशवाहा की वापसी का रास्ता तैयार होने की बात कही जा रही है,सूत्रों का दावा है कि अंबिकापुर में बैठकों और संपर्कों का दौर जारी है। हालांकि बैंक या सहकारिता विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन अंदरखाने चल रही हलचल ने कर्मचारियों और आम लोगों के बीच सवालों का तूफान खड़ा कर दिया है।

'मेहरबानी' किसकी-बोर्ड की, बैंक की या राजनीति की?

बैंक गलियारों में चर्चा है कि घोटाले के आरोप झेल चुके अधिकारियों पर अचानक इतनी नरमी क्यों दिखाई जा रही है,कुछ लोग इसे राजनीतिक एप्रोच का असर बता रहे हैं,तो कुछ इसे 'सूटकेस वाली संस्कृति' की उपज कहकर तंज कस रहे हैं, सवाल यह भी है कि अगर आरोप गंभीर थे,तो बहाली इतनी आसान कैसे हो गई? और अगर आरोप गलत थे,तो फिर कार्रवाई क्यों हुई?

सहकारिता विभाग की साख पर बड़ा प्रश्नचिन्ह

भैयाथान शाखा में बार-बार सामने आ रहे विवादों ने सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, कर्मचारियों का कहना है कि अगर आरोपित अधिकारियों की वापसी बिना स्पष्ट जवाबदेही के होती है,तो इससे यह संदेश जाएगा कि 'पहले घोटाला करो,फिर सिस्टम में रास्ता निकाल लो।'

जनता पूछ रही है... जवाब कौन देगा?

- क्या जांच रिपोर्ट सिर्फ फाइलों में बंद रखने के लिए बनती है?
- क्या सहकारिता बैंक में नियमों से ज्यादा 'सिफारिश' चलती है?
- और क्या भैयाथान शाखा सच में 'घोटाला करो और बहाल हो जाओ' मॉडल पर चल रही है?
- इन सवालों के बीच बैंक प्रबंधन और सहकारिता विभाग की चुप्पी ही सबसे ज्यादा चर्चा में है।

अंबिकापुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेला शुरू..2000 युवाओं का पंजीयन 4544 पदों पर रोजगार का अवसर

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज,अंबिकापुर में दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत सरगुजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। संभाग स्तरीय रोजगार मेले में संभाग के सभी 6 जिलों से लगभग 2000 बेरोजगार नवयुवक एवं नवयुवतियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। संभाग मुख्यालय में आयोजित रोजगार मेले में लगभग 29 नियोक्ताओं ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। संभागीय उप संचालक रोजगार श्री एस.पी. त्रिपाठी ने बताया कि रोजगार मेला 16 एवं 17 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4544 पदों पर ऑनलाइन आवेदन एवं साक्षात्कार के आधार पर युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए सकारात्मक सोच के साथ अपने कैरियर को नई ऊंचाई देने का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा श्री विनय अग्रवाल तथा पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य श्री आर.जे. पाण्डेय ने भी युवाओं को प्रेरित किया। स्वागत प्रतिवेदन जिला रोजगार अधिकारी श्री ललित पटेल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री रवि पाण्डेय एवं आभार प्रदर्शन लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य श्री गिरीश गुप्ता ने किया। रोजगार मेले में जिला रोजगार अधिकारी सूरजपुर सुश्री चारू चित्रा, श्री संजीव सिंह, श्री दिव्यांशु, श्री प्रीतम, सुश्री माधुरी, श्रीमती पुष्पा पुरेना, श्रीमती पुष्पा सिदार, श्री नीरज सिंह,श्री छोटू रविदास,श्री उदय शंकर मिरे,श्री रामेश्वर सिंह तथा जिला रोजगार कार्यालय के समस्त स्टाफ,श्री अकरम खान,श्री अरशद, श्री राहुल,श्री बालेश्वर सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा।

महाशिवरात्रि पर महाकाल मोक्षधाम में श्मशान घाट पर विशेष शिव पूजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि के अवसर पर महाकाल मोक्षधाम शंकर घाट स्थित महाकाल बाबा मंदिर परिसर में विशेष शिव पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को पतंगी झंडों से आकर्षक रूप से सजाया गया। गुरूजी बालमनाथ अघोरी एवं अशोक शर्मा द्वारा अघोर शास्त्रोक्त विधि से महाकाल बाबा की पूजा-अर्चना की गई। पूजन के दौरान महाकाल बाबा शिव से प्रार्थना की गई कि देश में अमन-चैन बना रहे और सभी नागरिक आपसी भाईचारे के साथ रहें। बालमनाथ अघोरी उज्जैन के चक्रतीर्थ श्मशान के योगी बाबा बमबम नाथ एवं अचल नाथ महाराज के शिष्य बताए गए हैं।

अवैध बॉक्साइट खनन कार्रवाई में ग्रामीण की मौत,एसडीएम समेत 4 पर हत्या का केस

चारों आरोपी गिरफ्तार,कुसमी में तनाव,आदिवासी समाज का प्रदर्शन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

क्षेत्र में अवैध बॉक्साइट खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुई मारपीट में एक ग्रामीण की मौत का मामला गंभीर हो गया है। पुलिस ने मर्ग जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर एसडीएम समेत चार लोगों के खिलाफ हत्या सहित गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के बाद नगर में भारी पुलिस बल तैनात है और देर शाम तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

जानकारी के अनुसार कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम हंसपुर से लगे झारखंड के लुचूपाठ इलाके में अवैध बॉक्साइट खनन की सूचना पर प्रशासनिक टीम पहुंची थी। आरोप है कि घूंसा पाठ रोड स्थित महादेव डूबा नाला के पास रात करीब 8-9 बजे एसडीएम सहित साथ मौजूद लोगों ने तीन ग्रामीणों के साथ डंडे, रॉड व हाथ-लात से मारपीट की। घटना में 62 वर्षीय राम उर्फ रामनरेश की गंभीर चोटों से मौत हो गई, जबकि अजीत राम (60) और आकाश अगरिया (20) घायल हो गए। दोनों का उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मारपीट के बाद टीम हंसपुर की महिला उपसरपंच गीता देवी के घर पहुंची और भोला उर्फ बैजनाथ की तलाश करने लगी। परिजनों ने बताया कि वह टांगीनाथ धाम गया है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा घर में तलाशी लेने और पास के शिव प्रसाद गुप्ता के घर भी पूछताछ करने की बात सामने आई है। प्रशासन को संदेह था कि भोला द्वारा अवैध खदान में मजदूरों से काम कराया जा रहा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या का अपराध दर्ज

पुलिस ने चश्मदीद गवाहों के बयान, घटनास्थल निरीक्षण और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पाया कि 15 फरवरी 2026 की रात आरोपियों द्वारा मारपीट की गई थी। प्रथम दृष्टया अपराध सिद्ध पाए जाने पर एसडीएम करुण कुमार डहरिया,अजय प्रताप सिंह उर्फ विक्की सिंह,मजीत कुमार यादव और सुदीप यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1),115(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया।

इलाज के दौरान मौत,मर्ग से शुरू हुई जांच : पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार घायल रामनरेश को बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर किया गया,लेकिन आगे नहीं ले जाया जा सका। 16 फरवरी की रात 12.14 बजे उनकी मृत्यु हो गई। चिकित्सक की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई थी।

आदिवासी समाज में आक्रोश, शव का अंतिम संस्कार रोका : घटना के बाद सर्व आदिवासी समाज में भारी आक्रोश है। समाज के लोगों ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। बेलगंगा नदी पुलिया के पास देर शाम तक गहमा-गहमी की स्थिति बनी रही। प्रशासन ने मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता के रूप में एक लाख रुपए तथा मृतक के तीन बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का आश्वासन दिया है। वहीं समाज के लोग पांच करोड़ रुपए मुआवजा सहित अन्य मांगों पर अड़े हैं और शव का अंतिम संस्कार नहीं करने दे रहे हैं।

स्थिति पर नजर विवेचना जारी

नगर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,अपर कलेक्टर सहित कई थाना-चौकियों का बल तैनात किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इधर,क्षेत्र के कई लोगों ने एसडीएम की कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी नाराजगी की बात कही है। प्रशासन हालात सामान्य करने के प्रयास में जुटा है।

बनारस रोड पर मौत की दस्तक! बरगद से टकराई बेकाबू बाइक,17 वर्षीय चालक की दर्दनाक मौत,दो नाबालिग घायल

-संवाददाता-

सूरजपुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के बनारस रोड स्थित सकलपुर में तेज रफ्तार ने एक घर का चिराग बुझा दिया। सड़क किनारे खड़े विशाल बरगद के पेड़ से टकराई बेकाबू बाइक ने ऐसा मंजर खड़ा किया कि पूरे इलाके में मातम पसर गया। हादसे में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार दो अन्य नाबालिग घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तीनों किशोर एक ही बाइक पर सवार होकर तेज गति से बनारस रोड की ओर जा रहे थे। बाइक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि अचानक संतुलन बिगड़ते ही चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। कुछ ही सेकंड में बाइक सीधे सड़क किनारे खड़े पुराने बरगद के पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक क्रमांक सीजी 15 सीपी 6949 (एचएफ डीलक्स) के परखच्चे उड़ गए और तीनों सवार कई फीट दूर जा गिरे। टक्कर की भयावह आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। सड़क पर खून से लथपथ पड़े किशोरों को देखकर हर कोई सन्न रह गया। तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।

तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना दुर्घटना का मुख्य कारण : हादसे में चालक सोनू अगरिया (17 वर्ष), पिता उकील अगरिया, निवासी बोझा, को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके साथ सवार मनीष अगरिया (15 वर्ष), पिता शिव प्रसाद, और ओम प्रकाश अगरिया (13 वर्ष), पिता मनोज उर्फ गेंठी, घायल हैं। दोनों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। यह हादसा एक बार फिर कम उम्र में वाहन चलाने की गंभीर समस्या को उजागर करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना कानूनन अपराध है और यह स्वयं तथा दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपायों की अनदेखी भी हादसे की भयावहता बढ़ा देती है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बनारस रोड पर अक्सर वाहन तेज गति से दौड़ते हैं। सड़क के किनारे बड़े पेड़ और कुछ स्थानों पर संकरी पट्टी होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं,चेतावनी संकेतक लगाए जाएं और नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। हादसे के बाद मृतक सोनू के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दो अन्य परिवार अपने घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सकलपुर और आसपास के गांवों में शोक और चिंता का माहौल है।

CMYK

विष्णुदेव साय के कोरिया प्रवास में गूंजा सवाल मुख्यमंत्री जी...

हम बहुत तकलीफ में हैं,हमारा मानदेय तो दिलवा दीजिए...

-संवाददाता-
कोरिया,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरिया जिला प्रवास के बीच एक ऐसा मुद्दा उभरकर सामने आया है,जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर कर दिया है,जिले की मितानिनें, ब्लॉक समन्वयक,स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक और हेल्प डेस्क से जुड़ी कार्यकर्ता पिछले पाँच महीनों से लंबित मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन की स्थिति में हैं,जिन महिलाओं को शासन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कहता है, वे आज खुद आर्थिक संकट के आईसीयू में भर्ती हैं।
कोरिया जिले में मितानिनों की यह पुकार केवल स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि प्रदेशव्यापी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है,अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री के फैसले पर टिकी हैं, अगर शीघ्र समाधान निकलता है तो यह संदेश जाएगा कि सरकार जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है,अन्यथा,दिया तले अंधेरा वाली कहावत फिर सच साबित होगी।
(यह समाचार संगठन प्रतिनिधियों, ज्ञापनों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर तैयार किया गया है,प्रशासन का आधिकारिक पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

आर्थिक संकटः परिवारों पर सीधा असर

1. कर्ज का बोझ

मानदेय न मिलने के कारण कई समन्वयकों ने निजी उधार लिया है। ब्याज दरें 2त्न से 5 प्रतिशत मासिक तक बताई जा रही हैं, पाँच महीने की देरी ने कर्ज को दोगुना कर दिया।

2. बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

स्कूल फीस जमा न होने से नोटिस मिल रहे हैं, कुछ परिवारों ने बच्चों को निजी स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में भेजने का निर्णय लिया।

3. बुजुर्गों का इलाज अधूरा

स्वास्थ्य कार्यकर्ता होने के बावजूद अपने घर के बुजुर्गों का इलाज कराने में असमर्थता विडंबना बन गई है, एक ब्लॉक समन्वयक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा–हम दूसरों के घर प्रसव के लिए रात में भी जाते हैं, लेकिन हमारे घर में राशन की चिंता बनी रहती है।

ज्ञापन से जनप्रतिनिधि तकः पर समाधान दूर

मितानिन संगठन ने सीएमएचओ कार्यालय, जिला प्रशासन और राज्य स्तर तक ज्ञापन सौंपे हैं।
पुष्पेंद्र राजवाड़े, अध्यक्ष कोरिया जन सहयोग समिति,ने कहा... मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। सरकार को शीघ्र लंबित भुगतान करना चाहिए ताकि इन महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरे।
वहीं,**सरोज सिंह सेंगर,** प्रदेश अध्यक्ष,स्वास्थ्य मितानिन संघ छत्तीसगढ़, का कहना है–ब्लॉक से राज्य स्तर तक गुहार लगा चुके हैं। अक्टूबर से फरवरी तक का मानदेय तुरंत जारी हो। परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।

प्रशासनिक चुप्पी या तंत्र की जटिलता?

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का तर्क है कि बजट आवंटन और तकनीकी स्वीकृति में विलंब के कारण भुगतान अटका है। परंतु सवाल यह है कि,जब योजनाओं की मॉनिटरिंग समय पर हो सकती है,तो भुगतान प्रक्रिया क्यों नहीं? विशेषज्ञों का मानना है कि मितानिन प्रणाली सामुदायिक स्वास्थ्य मॉडल का अहम हिस्सा है। यदि इनके मनोबल में गिरावट आती है तो ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा सीधे प्रभावित होगा।

मुख्यमंत्री प्रवास
उम्मीद या औपचारिकता?

मुख्यमंत्री के प्रवास को लेकर जिले में प्रशासनिक हलचल तेज है, कार्यक्रमों और घोषणाओं की तैयारी चल रही है, मितानिनों की अपेक्षा है कि मुख्यमंत्री उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर स्पष्ट निर्देश देंगे। उनका कहना है– हमें भाषण नहीं,भुगतान चाहिए।

सेवा निरंतर,भुगतान बंद

मितानिनें गांव-गांव जाकर टीकाकरण,गर्भवती महिलाओं की निगरानी, कुपोषण सर्वे, मलेरिया-जांच,आयुष्मान पंजीयन और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन करती हैं। कोविड काल में भी इन्होंने घर-घर सर्वे कर जोखिम उठाया,लेकिन अक्टूबर माह से मानदेय अटका हुआ है,सूत्रों के अनुसार–प्रोत्साहन राशि आंशिक रूप से जारी हुई, भुगतान का स्पष्ट ब्योरा (राज्यांश-केंद्रांश) उपलब्ध नहीं,दावा पत्रक के मुकाबले राशि कम मिली,नियमित बजट प्रवाह बाधित बताया जा रहा है,मैदानी स्तर पर असंतोष गहरा है,परंतु जिम्मेदार विभागों की ओर से स्पष्ट जवाब अब तक सामने नहीं आया।

सामाजिक और राजनीतिक संदेश

यह मुद्दा केवल वेतन का नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनशीलता का भी है।

यदि जमीनी स्तर की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता आर्थिक असुरक्षा में रहेंगी, तो योजनाओं की सफलता प्रभावित होगी,मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रशासन के लिए एक परीक्षा भी है,क्या सरकार अपने स्वास्थ्य तंत्र की 'रीढ़' को मजबूती देगी,या फिर आश्वासन की परंपरा जारी रहेगी?

मुख्य मांगें...

अक्टूबर से लंबित 5 माह का पूरा मानदेय तत्काल जारी किया जाए।

प्रोत्साहन राशि में पारदर्शिता हो,राज्यांश और केंद्रांश का स्पष्ट उल्लेख मिले।

भविष्य में नियमित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए स्थायी बजट व्यवस्था बने।

हेल्प डेस्क व समन्वयकों की भूमिका को औपचारिक मान्यता मिले।

चिरमिरी में विकास की रफ्तार तेजःमुख्यमंत्री साय का दौरा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की सक्रिय भूमिका से एमसीबी को मिली नई सौगातें

चिरमिरी में विकास की बड़ी सौगातः 59 का शिलान्यास,82 कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का दौरा,करोड़ों की योजनाओं से एमसीबी को नई रफ्तार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर मुख्यमंत्री का आगमन

नवगठित एमसीबी जिले में अधोसंरचना को मिली मजबूती

करीब 127 करोड़ रुपये के विकास कार्यों से क्षेत्र में नई उम्मीद

मुख्यमंत्री का बार-बार चिरमिरी आगमनः क्या एमसीबी बना सरकार की प्राथमिकता जिला?

-संवाददाता-
एमसीबी,चिरमिरी,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
नवगठित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की धरती पर एक बार फिर विकास की बड़ी सौगातें उतरीं, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय चिरमिरी पहुंचे,उनके साथ प्रभारी मंत्रीरामविचार नेताम भी मौजूद रहे, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा रही कि यह दौरा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष आग्रह और आमंत्रण पर तय हुआ, बीते दो वर्षों में मंत्री जायसवाल द्वारा मुख्यमंत्री को अपने क्षेत्र में कई बार आमंत्रित किए जाने की चर्चा है,जिसके चलते एमसीबी जिले में विकास कार्यों की गति लगातार तेज होती दिखाई दे रही है।
चिरमिरी दौरा एमसीबी जिले के लिए विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, 59 कार्यों का शिलान्यास, 82 कार्यों का लोकार्पण, करोड़ों रुपये की योजनाओं की शुरुआत, इन सबके बीच स्वास्थ्य मंत्री की सक्रियता और मुख्यमंत्री की प्राथमिकता ने यह संकेत दिया है कि नवगठित जिला तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है, अब देखना यह होगा कि घोषित योजनाएं किस गति और गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतरती हैं, ताकि विकास की यह रफ्तार केवल घोषणाओं तक सीमित न रहकर

हेलीपैड से मंगल भवन तक

मुख्यमंत्री रायपुर से चौपर द्वारा उड़ान भरकर पोड़ी ग्राउंड स्थित हेलीपैड पहुंचे, यहां स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े,कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती रतना सिंह ने आत्मीय स्वागत किया,हेलीपैड से मुख्यमंत्री का काफिला मालवीय नगर,पोड़ी स्थित मंगल भवन पहुंचा, जहां जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से संवाद का कार्यक्रम आयोजित था। पारंपरिक रीति से चंदन टीका और कलश स्वागत के बाद दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, राष्ट्रगान के सामूहिक गान के साथ वातावरण गरिमामय हो उठा।

8,824.78 लाख के 59 कार्यों का शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 8,824.78 लाख रुपये (लगभग 88.24 करोड़ रुपये) की लागत से प्रस्तावित 59 विकास कार्यों का शिलान्यास किया,इनमें अधोसंरचना, सड़क, भवन एवं अन्य जनहित परियोजनाएं शामिल हैं,यह कार्य नवगठित जिले के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

3,879.85 लाख के 82 कार्यों का लोकार्पण-

इसके साथ ही 3,879.85 लाख रुपये (लगभग 38.79 करोड़ रुपये) की लागत से पूर्ण 82 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया,इन कार्यों के पूर्ण होने से चिरमिरी क्षेत्र में सड़क, भवन, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ता मिली है,मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार गांव से शहर तक विकास की धारा बहाने के लिए प्रतिबद्ध है और एमसीबी जैसे नवगठित जिलों को प्राथमिकता दी जा रही है।

'वंदे भारत' जैसी विकास गति

स्थानीय लोग व्यंग्य में कहते है कि जिला नया जरूर है, लेकिन विकास की रफ्तार वंदे भारत ट्रेन जैसी दिख रही है,लगातार शिलान्यास और लोकार्पण से यह संदेश गया है कि एमसीबी जिला सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, सड़क,स्वास्थ्य,शिक्षा और प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

जनभागीदारी और राजनीतिक संदेश

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने कलश धारण कर स्वागत किया,अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री,प्रभारी मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों को गजमाला पहनाकर सम्मानित किया गया,यह दौरा केवल विकास कार्यों की घोषणा तक सीमित नहीं रहा,बल्कि राजनीतिक रूप से भी एक स्पष्ट संदेश देता दिखाई दिया–कि राज्य सरकार और क्षेत्रीय नेतृत्व के बीच समन्वय मजबूत है,किसी क्षेत्र में मुख्यमंत्री का बार-बार आगमन यह संकेत देता है कि वह क्षेत्र शासन की प्राथमिकता सूची में ऊपर है।

नवगठित जिले की नई दिशा

एमसीबी जिला अभी विकास के प्रारंभिक चरण में है। ऐसे में प्रशासनिक ढांचे का विस्तार, बुनियादी सुविधाओं का निर्माण और योजनाओं का क्रियान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है,मुख्यमंत्री के इस दौरे और बड़ी राशि के विकास कार्यों की सौगात ने जिले को नई दिशा दी है, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की सक्रिय भूमिका और मुख्यमंत्री से उनके निकट संबंधों को लेकर चाहे राजनीतिक चर्चाएं हों, परंतु यह स्पष्ट है कि क्षेत्र में विकास कार्यों की निरंतरता ने जनता की अपेक्षाएं बढ़ाई हैं।

मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल केवल विभागीय जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं,बल्कि वे मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय जनता के बीच एक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं,प्रदेश की सियासत में यह चर्चा भी आम है कि यदि किसी कारणवश मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित नहीं हो पाते, तो उनके प्रतिनिधि के रूप में जायसवाल ही कार्यक्रमों में शामिल होते हैं और सरकार का संदेश जनता तक पहुंचाते हैं,उनकी सक्रियता के चलते क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम,विकास योजनाओं की समीक्षा और त्वरित निर्णय की छवि उभरकर सामने आई है।

गोवर्धन पर्वत दियागढ़ धाम में महाशिवरात्रि पर भव्य भजन मेला व विशाल भंडारा संपन्न

विधायक भूलन सिंह मरावी रहे उपस्थिति

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोवर्धन पर्वत दियागढ़ धाम में श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ भव्य भजन मेला एवं विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत गोकुलपुर,पम्पानगर एवं द्वारिकापुर के मध्य स्थित इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर शिव मंदिर समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं,जिसके चलते कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं भव्य रूप में आयोजित हुआ। दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित भक्ति संगीत कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक एम.डी. महंत ने शिव भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी,उनके भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा परिसर शिवमय हो गया,भजन संध्या के साथ-साथ विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी शामिल हुए,अपने संबोधन में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता,सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं, उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण और विकास सामाजिक समरसता को मजबूत करता है,विधायक ने क्षेत्र के विकास एवं धार्मिक स्थलों के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेला समिति के अध्यक्ष परमेश्वर यादव ने की। इस आयोजन को सफल बनाने में मेला समिति के पदाधिकारियों, क्षेत्रीय सरपंचों,जनप्रतिनिधियों एवं समस्त ग्रामवासियों की सक्रिय भूमिका रही।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुचिता तिर्की पिता रामलाल तिर्की जाति उरांव निवासी बटवाही तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 175/2 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 24/2/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/12/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विक्की आ0स्व) कार्तिक निवासी मंडलपारा सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 149/3 रकबा 0.700 हे0 में से रकबा 0.052 हे0 भूमि को अनावेदक नीलम मिंज पति विनित कुमार मिंज निवासी बिचपारा रातासीली कुसमी जिला बलरामपुर छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 13,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 11.03.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक- 05/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विक्की आ0स्व0 कार्तिक निवासी मंडलपारा सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 149/3 रकबा 0.700 हे0 में से रकबा 0.062 हे0 भूमि को अनावेदक जगेस्वर कुमार पाटिल आ0 संतराम पाटिल निवासी ग्राम तुलसी सडकपारा तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 8,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 11.03.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक- 05/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

CMYK

सम्मान की सवारी या सादगी की राह ?

अमृतधारा महोत्सव में प्रोटोकॉल बनाम प्रतिष्ठा की कहानी

VIP बोर्ड लगी गाड़ी को मुख्य पार्किंग में रोका गया

VIP बनाम जनता

गाड़ी रोकी तो गुस्सा फूटा

जब नेता जी गाड़ी रूकी, तो गरिमा भी अटक गई?

मंच से पहले पार्किंग की लड़ाईः एमसीबी महोत्सव की अंदरूनी कहानी

अमृतधारा में अहंकार की आहट : प्रोटोकॉल,प्रतिष्ठा और लोकतंत्र की परीक्षा

अमृतधारा में अहंकार की धार : प्रोटोकॉल पर प्रतिष्ठा की राजनीति

सम्मान की भूख या प्रोटोकॉल की गलतफहमी ? एमसीबी महोत्सव का सच

नेम प्लेट बनाम नियम : अमृतधारा में सियासी तकरार

पैदल चलना अपमान ? अमृतधारा महोत्सव में उठे लोकतंत्र के सवाल

राजनीतिक प्रभाव से ऐसे घटनाक्रम के तीन संभावित प्रभाव होते हैं...

सार्वजनिक छवि पर असर-सादगी की जगह अहंकार की छवि बनती है।
पार्टी की असहजता-उच्च नेतृत्व तक संदेश जाता है।
प्रशासनिक तनाव-भविष्य में आयोजनों में और कड़ाई आती है,यह घटना केवल व्यक्तिगत नहीं रहती,बल्कि संस्थागत संदेश बन जाती है।

जनभावना बनाम राजनीतिक जिद

नेम प्लेट फेंकना और बहिष्कार करना क्षणिक प्रतिक्रिया हो सकती है, पर सार्वजनिक जीवन में हर प्रतिक्रिया सार्वजनिक संदेश होती है,यदि नियमों को मानते हुए मंच तक पैदल पहुंचा जाता, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता का उदाहरण बन सकता था।

-रवि सिंह-

एमसीबी/मनेंद्रगढ़,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्रकृति की गोद में बसे अमृतधारा जलप्रपात का नाम सुनते ही मन में शीतलता, हरियाली और जलधारा की मधुर ध्वनि गूंजती है,लेकिन इस वर्ष आयोजित अमृतधारा महोत्सव में जलधारा से ज्यादा गरम थी राजनीति की धारा, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के इस प्रतिष्ठित आयोजन में एक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने सांस्कृतिक उत्सव को प्रोटोकॉल बनाम प्रतिष्ठा की बहस में बदल दिया,यह रिपोर्ट केवल एक पार्किंग विवाद का विवरण नहीं है,बल्कि उस मानसिकता की पड़ताल है जो लोकतंत्र में पद और पहचान के बीच संतुलन खो देती है।

बता दे की प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर अमृतधारा जलप्रपात के नाम पर आयोजित अमृतधारा महोत्सव इस बार सांस्कृतिक रंगों से कम और राजनीतिक तमतमाहट से ज्यादा चर्चित रहा,जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में हुए इस आयोजन में जहां एक ओर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ चल रही थीं,वहीं दूसरी ओर मंच के बाहर 'प्रोटोकॉल' और 'प्रतिष्ठा' की अलग ही पटकथा लिखी जा रही थी।

सम्मान बनाम सुविधाः फर्क कितना ?

मंच पर स्थान सुनिश्चित था,उद्घोषणा में नाम शामिल था,औपचारिक सम्मान तय था,लेकिन सवाल यह उठ खड़ा हुआ कि क्या सम्मान की पूर्णता तभी है जब गाड़ी मंच के समीप पहुंचे? कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी रोके जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई,प्रशासनिक अधिकारियों को तीखी बातें सुनाई गईं,नेम प्लेट हटाकर फेंकने की घटना भी चर्चा में आई,अंततः कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया गया,अब प्रश्न यह है क्या पैदल चलना पद की गरिमा के विरुद्ध है?

असली सम्मान कहाँ ? अमृतधारा महोत्सव का यह विवाद हमें तीन बातें सिखाता है...

प्रोटोकॉल नियमों से चलता है, भावनाओं से नहीं।

पद की गरिमा सादगी से बढ़ती है,दूरी से नहीं। लोकतंत्र में जनता से दूरी नहीं, निकटता सम्मान दिलाती है...

पृष्ठभूमिः उत्सव का उद्देश्य और राजनीतिक उपस्थिति

अमृतधारा महोत्सव जिले की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है,लोकनृत्य,आदिवासी संस्कृति, पारंपरिक कला और जनभागीदारी इसका मूल स्वर हैं,इस बार कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि आमंत्रित थे,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अन्य मंत्रीगण मंचासीन थे,कैबिनेट मंत्री होने के नाते उन्हें शासन द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल प्राप्त था–जिसमें सुरक्षा, निर्धारित व्हीआईपी पार्किंग और काफिला प्रवेश शामिल है,यहीं से कहानी की दिशा बदलती है।

जब गाड़ी बनी गरिमा का प्रतीक

मामला सीधा-सा था–मुख्य अतिथियों के लिए निर्धारित पार्किंग में एक वाहन को प्रवेश नहीं मिला, वाहन पर नगर पालिका अध्यक्ष का बोर्ड लगा था, साथ में विधायक प्रतिनिधि भी थे, प्रशासन ने सुरक्षा कारणों और तय प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए गाड़ी रोक दी, बस...यहीं से सम्मान की गाड़ी भावनाओं की भीड़ में फंस गई, कहते हैं लोकतंत्र में नेता जनता के बीच से निकलकर आते हैं,लेकिन यहां सवाल यह खड़ा हो गया– क्या नेता जनता के बीच चल भी सकते हैं?

विवाद की शुरुआतः गाड़ी और गेट

कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा कारणों से बैरिकेडिंग की गई थी,मुख्य अतिथियों के लिए अलग पार्किंग स्थल निर्धारित था, सूत्रों के अनुसार, नगर पालिका अध्यक्ष की गाड़ी–जिसमें विधायक प्रतिनिधि भी मौजूद थे–मुख्य पार्किंग तक ले जाने का प्रयास किया गया। वाहन पर पद का बोर्ड लगा था,प्रशासन ने सूची देखी, नाम मंच पर था,पर पार्किंग सूची में नहीं,गाड़ी रोक दी गई,और यहीं से शुरू हुई 'सम्मान' की परिभाषा पर बहस।

अंततः प्रश्न वही है

सम्मान की भूख नेताजी को थी या उनकी गाड़ी को ? अमृतधारा की शीतलता शायद यही संदेश देती है,ऊंचाई पाकर भी विनम्र रहना ही असली राजनीति है...

प्रोटोकॉल का वैधानिक पक्ष

मंत्री का दर्जा- कैबिनेट मंत्री को राज्य सरकार के 'Order of PrecedenceÓ में उच्च स्थान प्राप्त होता है, उनके लिएः निर्धारित सुरक्षा घेरा,विशेष पार्किंग,काफिला प्रवेश,मंच पर प्राथमिक आसन नियमित रूप से लागू होते हैं।

विधायक प्रतिनिधि- विधायक प्रतिनिधि कोई संवैधानिक पद नहीं होता, यह एक राजनीतिक नियुक्ति है, प्रशासनिक दर्जा नहीं,उन्हें मंत्री स्तर का प्रोटोकॉल स्वतः प्राप्त नहीं होता।

नगर पालिका अध्यक्ष- नगर पालिका अध्यक्ष स्थानीय निकाय का प्रमुख पद है, उन्हें मंचीय सम्मान मिलना चाहिए–और मिला भी,परंतु मंत्री स्तर की पार्किंग और सुरक्षा का अधिकार स्वतः लागू नहीं होता, स्पष्ट शब्दों में–विधायक स्वयं उपस्थित हों तो उनके प्रतिनिधि के लिए अलग VIP प्रोटोकॉल का कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

प्रशासनिक दृष्टिकोण- प्रशासन का तर्क सरल था सुरक्षा और प्रोटोकॉल सूची के अनुसार व्यवस्था की गई, बड़ी संख्या में भीड़ थी, सुरक्षा एजेंसियों के निर्देश थे कि केवल सूचीबद्ध वाहनों को ही अंदर प्रवेश दिया जाए, यदि एक वाहन को अनुमति दी जाती, तो अन्य जनप्रतिनिधि भी समान अपेक्षा रखते,और फिर व्यवस्था नियंत्रण से बाहर हो सकती थी।

मानसिकता की पड़ताल- यह विवाद नियमों से ज्यादा मानसिकता का प्रतीक है, राजनीति में सम्मान कभी-कभी हवा-पानी जैसा हो जाता है कम मिले तो घुटन होने लगती है,नई पीढ़ी की राजनीति में 'दिखावटी प्रतिष्ठा' का आकर्षण बढ़ा है, गाड़ी, बोर्ड, काफिला–ये सब पद का प्रतीक बन जाते हैं, लेकिन क्या लोकतंत्र का मूल भाव यही है?

जनता की प्रतिक्रिया- स्थानीय लोगों से बातचीत में मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई नेता व नेताइन जी पैदल आ जाते तो क्या बिगड़ जाता? जनता के बीच चलना अपमान नहीं,उदाहरण होता, नियम सबके लिए समान हों,तभी लोकतंत्र मजबूत होगा,कुछ समर्थकों ने इसे 'आत्मसम्मान' का मुद्दा बताया,पर बहुसंख्यक मत सादगी के पक्ष में दिखा।

अमृतधारा का प्रतीकात्मक संदेश- अमृतधारा जलप्रपात ऊंचाई से गिरता है, पर गिरकर भी शीतल रहता है,राजनीति में भी ऊंचाई मिलना स्वाभाविक है,पर यदि विनम्रता गिर जाए, तो विवाद की धारा तेज हो जाती है।

व्यंग्य की परत- इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा व्यंग्य यही है जिस भीड़ ने नेता को खास बनाया,उसी भीड़ के बीच चलने में हिचक क्यों? क्या गाड़ी की दूरी ही सम्मान की गारंटी है? क्या नेम प्लेट के बिना पहचान कम हो जाती है? लोकतंत्र में असली व्हीआईपी वह है,जो बिना बोर्ड के भी पहचाना जाए।

ऑडिटोरियम में श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन

राज्य सरकार की प्रतिबद्धता श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक रूप से सशक्त बनानाःमंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

विधायक एवं अन्य वक्ताओं के विचार

प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते ने कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रम शासन और श्रमिकों के बीच की दूरी को कम करने का माध्यम हैं, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे,श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने श्रमिकों से श्रम विभाग की योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ये रहे उपस्थिति...

कार्यक्रम में पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल,सूरजपुर के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल,श्री मुरली मनोहर सोनी,श्री संदीप अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिला कलेक्टर एस. जयवर्धन,श्रम अधिकारी श्री एलेन मिंज तथा संबंधित विभागीय अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

-संवाददाता-

सूरजपुर,16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

तिलसिंवा स्थित सूरजपुर ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रमिक बंधु, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रम विभाग द्वारा उपस्थित श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई,ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हो सकें, कार्यक्रम के दौरान जिले के 2539 हितग्राहियों को कुल 99 लाख 66 हजार 627 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। साथ ही मिनिमहतारी जतन योजना, सियान योजना एवं नोनिहाल छात्रवृत्ति

योजना के डेमो चेक का वितरण भी किया गया,मंच पर आयोजित जनसंवाद सत्र में श्री योगेश कुमार मानिकपुरी,श्रीमती दुलेश्वरी,सुश्री यांत्री एवं श्री राजकुमार सहित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े का संबोधन

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और दिहाड़ी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता से जोड़ना है,उन्होंने कहा,यह केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि शासन और श्रमिकों के बीच सीधे संवाद का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है,उन्होंने श्रमिकों को मेहनतकश वर्ग की रीढ़ बताते हुए उनका सम्मान भी किया।

सांसद का उद्बोधन

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि श्रमिक प्रदेश की इमारत खड़ी करते हैं,सड़कें हों,भवन हों, पुल हों या कोई भी निर्माण कार्य–हर जगह श्रमिकों का अमूल्य योगदान है,उनकी मेहनत के बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती,उन्होंने श्रमिकों की भूमिका को विकास की आधारशिला बताया।

75 साल पहले विदेशी मैगजीन पर छाई,इंटरनेशनल स्टार थीं मधुबाला,हॉलीवुड फिल्मों के मिले थे ऑफर

मधुबाला हिंदी सिनेमा के अलावा एक ग्लोबल स्टार के तौर पर जानी जाती थीं।

जिसका प्रमाण 75 साल पहले एक इंटरनेशनल मैगजीन के कवर इमेज पर अभिनेत्री का फीचर होना था।
आज के दौर में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को ग्लोबल स्टार के तौर पर जाना जाता है। इसका मुख्य कारण ये भी है कि लंबे समय में वह हॉलीवुड सिनेमा में एक्टिव हैं। लेकिन उनसे पहले मधुबाला एकमात्र ऐसी हिंदी फिल्म अभिनेत्री थीं, जिनको ये उपाधि मिली थी।
हैरान करने वाली बात ये थी कि उन्होंने एक भी अंग्रेजी फिल्म में कभी काम नहीं किया और हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर को ठुकरा दिया था। 75 साल पहले एक विदेशी मैगजीन के कवर इमेज पर मधुबाला को फीचर किया गया था और उन्हें ग्लोबल स्टार कहा गया। पूरा मामला क्या था, इस मामले को थोड़ा और विस्तार से समझते हैं

इंटरनेशनल मैगजीन के लिए फीचर हुई थीं मधुबाला

बात उस समय की जब हिंदी सिनेमा ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहा था। उस वक्त 1951 में इंटरनेशनल अमेरिकी मैगजीन लाइफ का कवर इमेज सामने आया, जिसमें बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अदाकारा मधुबाला की तस्वीर छपी हुई थी जिस पर लिखा था- वह भारतीय सिनेमा जगत की सबसे बड़ी स्टार हैं। इस कवर मैगजीन ने दुनियाभर में सनसनी मचा दी और हर कोई मधुबाला की खूबसूरती का दीवाना होने लगा। इसके बाद हॉलीवुड के एक मशहूर फिल्ममेकर फ्रैंक कैप्रा ने मधुबाला को अपनी फिल्म का ऑफर दिया, जिसे अभिनेत्री रिजेक्ट कर दिया था। इसके बाद एक दिग्गज अमेरिकन क्रिटिक डेविड कोर्ट ने मधुबाला के बारे में एक कोट लिखते हुए कहा था- वह विश्व की सबसे बड़ी स्टार हैं, लेकिन कमाल की बात ये है कि वह बेवर्ली हिल्स से नहीं आती हैं। आपको बता दें कि उस दौर में किसी भी अभिनेत्री को इस तरह से वैश्विक स्तर पर पहचान नहीं मिली थी, जिस तरह से मधुबाला ने अपना जलवा बिखेरा था।

1 लाख से ज्यादा की फीस

कहा जाता है कि 1951 में मधुबाला एक फिल्म के लिए 1.5 लाख के करीब मोटी फीस वसूलती थीं। बड़े-बड़े लीड एक्टर्स के सामने मधुबाला का स्टारडम सबसे अलग और खास था। इतना ही नहीं उन्होंने अपने करियर की सबसे कल्ट एंड क्लासिक फिल्म रही मुगल-ए-आजम के लिए 3 लाख से ज्यादा की रकम चार्ज की थी। बता दें कि मधुबाला का एक्टिंग करियर 4 दशक तक चला था।

रेखा की वो गंदी राजनीति,सहेली अरुणा ईरानी की पीठ पर घोंपा था छुरा,फिल्म से करा दिया था बाहर!

हिंदी सिनेमा में रेखा वो एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने सालों साल सिनेमा पर राज किया है। रेखा के पास जो स्टारडम है, उसकी भले ही कोई कितनी ही तारीफ क्यों ना करे, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब रेखा अपनी ही कोस्टार्स से जलने लगी थीं। क्या है ये पूरी स्टोरी, आपको बताते हैं...

अक्सर यह कहा जाता है कि हिंदी सिनेमा में दो अभिनेत्रियां कभी एक-दूसरे की अच्छी दोस्त नहीं रही हैं, हालांकि ये पूरी तरह से सत्य भी नहीं है। ऐसी कई अभिनेत्रियां भी रही हैं, जिनकी दोस्ती की मिसालें आज खूब दी जाती हैं। हेलेन से लेकर वहीदा रहमान और आशा पारेख जैसी एक्ट्रेसेस की दोस्ती के किस्से आज भी हैं। लेकिन एक वक्त ऐसा था जब रेखा ने अपनी ही एक एक्ट्रेस दोस्त की पीठ पर छुरा घोंपा था। क्या है ये पूरी कहानी आइए जानते हैं...

अरुणा ईरानी से हुई थी रेखा को जलन?

जिन एक्ट्रेस की बात हम कर रहे हैं वो हैं अरुणा ईरानी और रेखा । ये वो दो अभिनेत्रियां हैं, जिनकी दोस्ती के किस्से खूब थे लेकिन इनकी दोस्ती में दरार तब आ गई, जब अरुणा ईरानी को पता चला कि उनकी ही दोस्त रेखा ने उनके साथ विश्वासघात किया।
कहने तो ये कहानी काफी पुरानी है पर इसके चर्चे आज भी होते हैं। कहा जाता है कि एक फिल्म से रेखा ने अरुणा ईरानी को रातोंरात बाहर निकलवा दिया था और ये बात अरुणा को पता तक नहीं चली थी। जो अरुणा रेखा को अपना इतना अच्छा दोस्त समझती थीं, उन्हीं रेखा ने उनके साथ ऐसा किया था और ये बात खुद अरुणा ने एक इंटरव्यू में बताई थी।

इस फिल्म से बाहर हुई थीं अरुणा ईरानी

दरअसल अरुणा ईरानी को जिस फिल्म से बाहर कराया गया, वो फिल्म थी मंगलसूत्र। शोशा के साथ बात करते हुए,अरुणा ईरानी ने कहा कि फिल्म साइन करने के बाद उन्हें शूटिंग शेड्यूल के बारे में कभी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा,रेखा और मुझे शुरुआत में मंगलसूत्र के लिए कास्ट किया गया था। लेकिन अजीब बात यह है कि उन्होंने मुझसे दोबारा कभी संपर्क नहीं किया। मैंने अखबारों में पढ़ा कि शूटिंग शुरू हो गई है, फिर भी मेरे पास कोई जानकारी नहीं थी। आखिरकार, मैंने पढ़ा कि मुझे फिल्म से रिप्लेस दिया गया है। किसी ने मुझे बताया तक नहीं।

अरुणा ने डायरेक्टर से की थी शिकायत

अरुणा ईरानी ने कहा कि उन्हें तो पता नहीं था कि वो फिल्म से बाहर भी हो गई हैं। वो तो बस इंतजार करती रह गईं कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने को है। आखिरकार में अरुणा ने इसकी शिकायत फिल्म के डायरेक्टर से जाकर की थी। अरुणा ने कहा कि 'मैंने उनसे पूछा, आपने मुझे रिप्लेस क्यों किया? आप शूटिंग की डेट्स के लिए मेरे पास कभी आए ही नहीं। मैं पूरी तरह से फ्री थी। मैंने उनसे खूब झगड़ा किया। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'असल में, समस्या यह थी कि रेखा आपको फिल्म में नहीं चाहती थीं। मैं दंग रह गई। मैंने इसे तुरंत इस बात को बीच में काटा और कहा, 'बेवकूफी भरी बातें मत करो। वह मेरी इतनी अच्छी दोस्त है। वह ऐसा क्यों करेगी? उन्होंने जवाब दिया, 'वह तुम्हारी दोस्त है, तुम खुद उससे क्यों नहीं पूछ लेती?

रेखा से जाकर मिली थीं अरुणा

अरुणा ईरानी ने बताया कि बाद में उन्होंने इस पूरे मुद्दे पर सीधे रेखा से बात की। आमना-सामना होने पर,रेखा ने खुद माना कि उन्होंने ही मेकर्स से अरुणा को फिल्म से हटाने का अनुरोध किया था। वजब ये दी गई कि, फिल्म में अरुणा को दिया गया रोल काफी दमदार था और अगर उन्होंने इसे पूरी भावनाओं के साथ निभाया होता, तो रेखा का किरदार एक वैम्प जैसा लगने लगता।

भूतिया थी फिल्म मंगलसूत्र की कहानी

आपको बता दें कि बाद में अरुणा की जगह फिल्म में एक्ट्रेस प्रेमा नारायण को फिल्म में लिया गया, जो कई फिल्मों में विलेन के किरदार में दिखीं थीं और उस दौर में वो डांस नंबर करने के लिए जानी जाती थीं। बी.विजय के निर्देशन में बनी मंगलसूत्र साल 1981 में आई थी। इस सस्पेंस हॉरर थ्रिलर फिल्म की कहानी काफी अलग थी। इस फिल्म में रेखा के साथ अनंत नाग,ओम शिवपुरी,मदन पुरी,चांद उस्मानी, प्रेमा नारायण समेत कई स्टार्स नजर आए थे। फिल्म की कहानी अनंत नाग के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर प्रेमा के किरदार की आत्मा का साया आ जाता है, क्योंकि अनंत के किरदार ने उसे धोखा दिया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी।

पहले सगाई,फिर टूटी शादी... अक्षय ने की थी रवीना से बेवफाई! अब कहा...किसके लिंक-अप और ब्रेकअप नहीं होते?

अक्षय कुमार और रवीना टंडन के अफेयर, सगाई और ब्रेकअप किसी से छुपा नहीं है। अपनी-अपनी जिंदगी में मूव ऑन करने के बावजूद दोनों बेझिझक होकर अपने रिश्ते पर रिएक्ट करते हैं। हाल ही में, रवीना ने अक्षय संग ब्रेकअप और शिल्पा शेट्टी के साथ अपनी लड़ाई पर बात की है। फिल्मी सितारे अपने काम से ज्यादा निजी जिंदगी के लिए सुर्खियां बटोरते हैं। कुछ सितारे तो अपनी लव लाइफ को लाइमलाइट से दूर रखते हैं,लेकिन कुछ सितारे निजी जिंदगी या फिर विवादों पर बात करने से हिचकिचाते नहीं हैं। रवीना टंडन भी उन्हीं में से एक हैं। 90 के दशक में रवीना टंडन और अक्षय कुमार का रिलेशनशिप काफी सुर्खियों में था। दोनों की सगाई भी हो गई थी लेकिन फिर किसी कारण कपल अलग हो गया। उसी दौरान ऐसी खबर आई थीं कि अक्षय का शिल्पा के साथ लव ट्रायंगल है जिसकी वजह से रवीना की शिल्पा से नहीं बनती थी।

अक्षय-शिल्पा संग विवाद पर रवीना का रिएक्शन

अब अक्षय कुमार से ब्रेकअप और शिल्पा शेट्टी के साथ लड़ाई की खबरों को लेकर रवीना टंडन ने रिएक्शन दिया है। जूम के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा मुझे लगता है कि हम सब दोस्त बन गए हैं। देखिए हम सब यंग थे। हम सब एक ही इंडस्ट्री में हैं। कौन इन सब चीजों से नहीं गुजरा है? कौन लिंक-अप, ब्रेक-अप, रिलेशनशिप से नहीं गुजरा है, कौन नहीं? आज अक्षय और मैं दोस्त हैं, शिल्पा और मैं दोस्त हैं। हम सब दोस्त हैं। हम आगे बढ़ गए हैं।

20 साल बाद अक्षय संग रवीना की वापसी

रवीना टंडन और अक्षय कुमार सालों बाद आगामी फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आने वाली हैं। सेट पर दोनों के बीच कैसा बॉन्ड है, इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा- हम अपने परिवारों के लिए बहुत खुश हैं, हम अपने बच्चों के लिए बहुत खुश हैं। अक्षय और मैंने अभी वेलकम 3 की है और हमने अपनी पूरी टीम के साथ एन्जॉय किया है, हमने फिल्म में खूब हंसी-मजाक किया है, बहुत मजेदार फिल्म है। हमने सच में फिर से साथ काम करके बहुत एन्जॉय किया है। देखिए आपको बड़ा होना पड़ेगा, मैच्योर होना पड़ेगा। हम सब एक-दूसरे के लिए खुश हैं। रवीना टंडन ने आगे बताया कि वह और अक्षय कुमार बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों 20 साल बाद एक-दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। फिल्म इसी साल जून में रिलीज हो सकती है।

मुझे खुद पर भरोसा नहीं था,तू या मैं की रिलीज के बाद शनाया कपूर ने शेयर की दिल की बात,लिखा इमोशनल नोट

दूसरे स्टार किड्स के उलट शनाया कपूर को बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। लक्ष्य के साथ उनकी पहली प्लान की हुई फिल्म बेधड़क रुक गई, जिससे उनके करियर की शुरुआत में तीन साल की देरी हो गई और जब शनाया ने आखिरकार आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू किया तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई, लेकिन इस वैलेंटाइन तू या मैं से इस यंग एक्ट्रेस ने आखिरकार दर्शकों का दिल जीत लिया। दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए शुक्रिया अदा करते हुए, शनाया कपूर ने आज एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया।

तू या मैं क्यों है शनाया कपूर के लिए खास

शनाया कपूर ने आदर्श गौरव के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि कैसे उन्होंने सेट पर पहले दिन से ही उन्हें अच्छा महसूस कराया। तू या मैं के अपने और सह-कलाकार आदर्श गौरव के कुछ शानदार शॉट्स के साथ शनाया कपूर ने लिखा, तू या मैं मेरे जीवन में उस समय आई, जब मुझे वास्तव में खुद पर आत्मविश्वास नहीं था और इसने मुझे वह दिया, जो उससे भी ज्यादा है। तू या मैं अब सिनेमाघरों में है और अवनि वहां मगरमच्छों से बच रही है। उसने मुझे बहुत कुछ सिखाया... खासकर मुझे सिखाया कि कैसे एक पूर्ण बादाश बनना है। अभी भी कोशिश कर रही हूं... वहां पहुंच रही हूं।

आदर्श गौरव को बताया बेस्ट

एक्ट्रेस ने अपने को-एक्टर के बारे में भी बात की और लिखा, आप सर्वश्रेष्ठ हैं। नालासोपारा से अल्लाफ्लोपारा, टैलेंट है भरपूर। एक राइड! तुम्हारे साथ सब कुछ बहुत अच्छा लगा। शनाया ने आखिर में कहा, पूरी कास्ट और क्रू... उन क्रेजी रातों के लिए जो खूबसूरत सुबह में बदल गई। हमने यह किया। हम यहां हैं और मैं सभी के सपोर्ट और मेहरबानी के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। यह एक वाइल्ड राइड थी। हरे रंग के आउटफिट और खिलौनों से भरे कैपेन का अंत अगले वाले में मिलते हैं बच्ची।

खेल समाचार

आइज़ैक डेल टोरो ने यूएसए टूर के शुरुआती स्टेज में स्प्रिंट जीत दर्ज की

लिवॉक्सिस,16 फरवरी 2026।

मैक्सिकन युवा आइज़ैक डेल टोरो ने सोमवार को यूएसए टूर के छोटे शुरुआती स्टेज में स्प्रिंट फिनिश में जीत हासिल की। 22 साल के इस खिलाड़ी ने, जो पिछले साल गिरो डीइटालिया में दूसरे स्थान पर रहे थे, अपनी रेस की शानदार शुरुआत की और डचमैन सीस बोल और इटली के एंटोनियो टिबेरी को हराकर फिनिश लाइन तक पहुंचे। स्टेज की लंबाई तेज़ हवाओं के कारण 144किमी से घटाकर 118किमी कर दी गई थी। डेल टोरो की ताकत का यह शानदार प्रदर्शन था, उन्होंने प्योर स्प्रिंटर्स को पीछे छोड़ दिया। डेल टोरो ने कहा, यह अविश्वसनीय है, यह पागलपन है। मुझे ठीक से नहीं पता (यह कैसे हुआ) लेकिन मुझे बस मौका दिख रहा है और मैं इसका पछतावा नहीं करना चाहता। इटैलियन जोनाथन मिलान से स्टेज जीतने की उम्मीद थी, लेकिन वह आखिर से 1,500 दूर एक राउंडअबाउट पर बुरी तरह क्रैश हो गए। यूएसए टीम एमिरेट्स के लिए राइड करने वाले डेल टोरो को उम्मीद है कि वे अपने टीममेट तादेज पोगाकर के नक्शेकदम पर चलेंगे, जिन्होंने पिछले साल रेस जीती थी। दो बार के टूर डी फ्रांस चैंपियन जोनास विंगगार्ड के हाल ही में हुए क्रैश और बीमारी की वजह से पहले स्टेज से हटने के बाद,बेल्जियम के स्टार रेम्को इवेनेपोएल उनके मुख्य चैलेंजर्स में से एक हो सकते हैं। मंगलवार का दूसरा स्टेज 12किमी का टाइम-ट्रायल है।

टी 20 डब्ल्यूसी में भारत और पाकिस्तान के बीच का अंतर बहुत बड़ा है: गांगुली

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026। डब्ल्यूसी मेन्स टी 20 वर्ल्ड कप के ग्रूप ए मुकाबले में भारत की चिर-विरोधी पाकिस्तान पर 61 रन से जीत के बाद, भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप बड़ा मैच होने का आइडिया पुराना हो गया है, क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता। डिफेंडिंग चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर एट्स में भी उनकी जगह पक्की कर दी। शाम को ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था, और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का टारगेट हमेशा पहुंच से बाहर रहे, जिस स पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम उस महान टीम के बराबर नहीं है जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

पाकिस्तान को हराकर अहमदाबाद पहुंची टीम इंडिया

यहां 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से मुकाबला
भारत सुपर-8 में जगह बना चुका

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026।

भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को कोलंबो से अहमदाबाद पहुंच गई। कोलंबो में पाकिस्तान को 61 रन से हराकर टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

ईशान किशन ने 77 रन की पारी खेली

रविवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 गेंदों पर 77 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें

10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से सईम अयूब ने 3 विकेट झटके।
176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह,अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट लेकर जीत पक्की की।

भारत ग्रूप-ए पॉइंट्स टेबल में टॉप पर

इस जीत से भारत ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर ली और टीम ग्रुप-ए पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। भारत 61 रन से जीता। रन के अंतर से यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत रही। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। यह टी-20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की पाकिस्तान पर अब तक की सबसे बड़ी जीत है। साथ ही टूर्नामेंट के इतिहास में यह पाकिस्तान की दूसरी सबसे बड़ी हार भी रही।
रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के सामने 176 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में ही 114 रन पर ऑलआउट हो गई।
भारत की जीत के हीरो ईशान किशन रहे। उन्होंने 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 40 गेंदों पर 77 रन की शानदार पारी खेली। वहीं दूसरी ओर अभिषेक शर्मा इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हो गए।

अजमतुल्लाह ओमरजाई का गेंद और बल्ले से धमाका,अफगानिस्तान ने यूएई को हराया

नई दिल्ली,16 फरवरी 2026।

टी20 विश्व कप 2026 के ग्रूप डी के मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को हरा दिया। विश्व कप में अफगानिस्तान की यह पहली जीत है। सोमवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में यूएई ने अफगानिस्तान को जीत के लिए 161 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही थी। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज बिना खाता खोले आउट हो गए। इब्राहिम जादरान और गुलबदीन नायब ने दूसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े। नायब 12 गेंद पर 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। सेदिकुल्लाह अटल 14 गेंद पर

16 रन बनाकर आउट हुए। जादरान ने अर्धशतक लगाया। वह 41 गेंद पर 53 रन की पारी खेलकर आउट हुए। दरविश रसूली ने 23 गेंद पर 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 33 और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 21 गेंद पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 40 रन की पारी खेली। रसूली और ओमरजाई की पारियों की वजह से ही 19.2 ओवर में अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 162 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 9 विकेट पर 160 रन बनाए थे। यूएई के लिए शोएब खान ने 48 गेंद पर 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 68 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा आलिशान सराफू ने 31 गेंद पर 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए थे। अफगानिस्तान की तरफ से ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजाई ने सबसे बेहतरीन गेंदबाजी की। ओमरजाई ने 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए।

स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम में हुआ शामिल

श्रीलंका के खिलाफ मिल सकता है मौका

कैंडी,16 फरवरी 2026। टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप बी का एक बेहद अहम मैच श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की शाम 7 बजे से खेला जाना है। इस बेहद अहम मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपने स्क्वॉड में आधिकारिक रूप से पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को शामिल कर लिया है। स्मिथ को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह शामिल किया गया है। स्मिथ को कप्तान मिचेल मार्श के कवर के तौर पर भेजा गया था, जिन्हें नेट्स में इंजरी हो गई थी। मार्श इंजरी की वजह से शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाए।

मौत का मेडिकल माफिया !

इंदौर से छत्तीसगढ़ तक नकली दवाइयों का जाल, ट्रांसपोर्ट की आड़ में खेला जा रहा था जिंदगी से खेल?

रायपुर/भाटापारा/रायगढ़/इंदौर, 16 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। यह कोई साधारण आर्थिक अपराध नहीं... यह सीधा-सीधा जिंदगी पर हमला है, छत्तीसगढ़ में नकली दवाइयों का ऐसा कथित नेटवर्क सामने आया है,जिसे जानकार 'मौत का मेडिकल माफिया' कहने लगे हैं, सूत्रों के अनुसार,इंदौर से दवाइयों की सप्लाई कर उन्हें असली बताकर छत्तीसगढ़ के बाजारों में उतारा जा रहा था,पैकेजिंग चमकदार,रैपर भरोसेमंद,एमआरपी प्रिंटेड–सब कुछ सही, लेकिन अंदर की गोलियां...क्या वे सचमुच वही थीं जो लिखी गई थीं? यह रिपोर्ट उपलब्ध दस्तावेजों,ट्रांसपोर्ट रिकॉर्ड,सूत्रों और प्राथमिक जांच सूचनाओं पर आधारित है,अंतिम सत्य आधिकारिक लैब रिपोर्ट और न्यायिक प्रक्रिया से स्पष्ट होगा,लेकिन एक बात साफ है–अगर यह नेटवर्क सच है, तो छत्तीसगढ़ को अब उदाहरण पेश करने वाली सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

'गोल्डन' रास्ता या काला खेल?

सूत्रों का दावा है कि इंदौर स्थित माँ बीजासेन ट्रेडिंग से माल बुक होता था, परिवहन के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल होता था – नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट, गंतव्य? भाटापारा की प्रेम प्रकाश एजेंसी व सारंगढ़ की सरस्वती मेडिकोज दावा यह भी है कि यह सिलसिला एक-दो महीने नहीं, बल्कि पिछले लगभग पांच वर्षों से चल रहा था।

मुनाफा बनाम मानव जीवन

अगर आरोप सही हैं, तो यह सिर्फ माफिया नहीं – यह 'साइलेंट किलिंग सिंडिकेट' है, नकली दवा सिर्फ पैसा नहीं कमाती–यह इलाज मारती है, यह भरोसा मारती है, और कभी-कभी... इंसान भी।

सप्लाई चेन या संरक्षण चेन?

दस्तावेजी रिकॉर्ड और ट्रांसपोर्ट एंट्री यह संकेत देते हैं कि दवाइयों की खेप नियमित अंतराल पर भेजी गई, सवाल यह है–अगर यह सब अवैध था,तो इतने लंबे समय तक बिना बाधा कैसे चलता रहा? खोजी सूत्रों का दावा है कि यह नेटवर्क केवल कारोबारी समझ का परिणाम नहीं था,बल्कि 'ऊपर तक' संपर्कों के सहारे संचालित हो रहा था, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन जानकार मानते हैं कि बिना प्रशासनिक या राजनीतिक ढाल के इतने बड़े पैमाने पर जोखिम भरा कारोबार टिक पाना कठिन होता है।

असली पैकेजिंग,संदिग्ध कंटेंट?

सूत्रों के मुताबिकः दवाइयां ब्रांडेड रैपर में आती थीं,बैच नंबर,एमआरपी, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल–सब कुछ मानक जैसा, लेकिन आरोप है कि अंदर की गुणवत्ता संदिग्ध थी,यदि सक्रिय तत्व मानक के अनुरूप न हों, तो दवा इलाज नहीं, भ्रम बन जाती है, और यही भ्रम सबसे खतरनाक है–क्योंकि मरीज, डॉक्टर और परिवार–सभी को भरोसा रहता है कि इलाज हो रहा है।

कार्रवाई और उसके बाद की चुप्पी

दिसंबर 2025 में कथित तौर पर बड़ी मात्रा में दवाइयां पकड़ी गईं, नमूने लैब भेजे गए, लेकिन उसके बाद सार्वजनिक डोमेन में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई, यहीं से 'सिस्टम के भीतर सिस्टम' की चर्चा तेज हुई,कुछ सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई की दिशा और दायरा सीमित रखने का प्रयास हुआ,हालांकि यह दावा भी जांच का विषय है।

अब स्वास्थ्य मंत्री को खुद संभालनी होगी कमान

छत्तीसगढ़ में यदि नकली या संदिग्ध दवाइयों का नेटवर्क सक्रिय होने के आरोप सामने आ रहे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक स्तर का मामला नहीं है–यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है, दवा सिर्फ व्यापारिक वस्तु नहीं होती,यह जीवन और मृत्यु के बीच खड़ी अंतिम उम्मीद होती है,ऐसे में यदि दवाइयों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं,तो राज्य के स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका स्वतः महत्वपूर्ण हो जाती है।

क्यों जरूरी है मंत्री स्तर की दखल?

- **जनविश्वास बहाल करना**–जब लोगों को संदेह होने लगे कि बाजार में बिक रही दवा असली है या नहीं,तो स्वास्थ्य व्यवस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। मंत्री का सार्वजनिक हस्तक्षेप भरोसा बहाल कर सकता है।
- **स्वतंत्र जांच की घोषणा**–यदि आरोप गंभीर हैं, तो उच्चस्तरीय या न्यायिक जांच का आदेश दिया जाना चाहिए, ताकि किसी भी तरह की राजनीतिक या प्रशासनिक हस्तक्षेप की आशंका खत्म हो।
- **राज्यव्यापी विशेष अभियान** – मेडिकल दुकानों,थोक एजेंसियों और ट्रांसपोर्ट रिकॉर्ड की व्यापक जांच कर स्पष्ट संदेश दिया जा सकता है कि जनस्वास्थ्य से समझौता बर्दाश्त नहीं होगा।
- **लैब रिपोर्ट सार्वजनिक करना** – जब्त नमूनों की परीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने से पारदर्शिता बढ़ेगी और अफवाहों पर विराम लगेगा।

असली जैसा रैपर, अंदर 'खाली इलाज'?

खोजी सूत्र बताते हैं की दवाइयां कम कीमत पर उठाई जाती थीं, बाजार में एमआरपी पर बेची जाती थीं, मुनाफा कई गुना, लेकिन अगर सक्रिय तत्व ही न हो, तो दवा इलाज नहीं – धोखा बन जाती है, एंटीबायोटिक अगर बेअसर हो, तो संक्रमण बढ़ता है, गंभीर बीमारी की दवा अगर नकली हो, तो मरीज का भरोसा ही नहीं – जान भी दांव पर लग जाती है।

दिसंबर 2025: जब पहली बार पर्दा हटा

दिसंबर 2025 में कथित तौर पर बड़ी खेप पकड़ी गई, नमूने जब्त हुए, जांच शुरू हुई, लेकिन सवाल यह है, क्या यह नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने की कार्रवाई थी या सिर्फ एक सतही कदम? कुछ सूत्रों का आरोप है कि इस कारोबार को वर्षों से राजनीतिक संरक्षण मिलता रहा, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, चौंकाने वाली बात यह कि जानकार इसे 'सिस्टम के भीतर सिस्टम' बताते हैं – जहां बिना संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर सप्लाई संभव नहीं।

कैसे फैलता है जहर? सूत्रों के मुताबिक

1. बड़े डीलर माल लेते हैं।
2. वही माल छोटे मेडिकल स्टोर्स तक जाता है।
3. गांव-कस्बों में दवाइयां पहुंचती हैं।
4. डॉक्टर पर्चा लिखता है।
5. मरीज भरोसे से दवा खरीदता है, और यहीं से शुरू होता है असली खतरा, इलाज की जगह मिलती है सिर्फ उम्मीद का धोखा।

पहले भी उठे थे नाम-

रायपुर के लालपुर क्षेत्र में पहले भी कथित तौर पर 'शिशुपाल' नाम सामने आया था,जिसकी दुकान अब बंद बताई जाती है,लेकिन सवाल वही—क्या चेहरे बदले हैं या खेल?

अब प्रदेश के सामने बड़े सवाल

- जब्त दवाओं की लैब रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं?
- सप्लाई चेन की वित्तीय जांच कब होगी?
- ट्रांसपोर्ट रिकॉर्ड की फॉरेंसिक ऑडिट होगी या नहीं?
- राजनीतिक संरक्षण के आरोपों की स्वतंत्र जांच कौन करेगा?
- क्या पूरे प्रदेश में मेडिकल दुकानों की सघन जांच होगी?

सवाल सरकार से भी...

यह मुद्दा केवल विपक्ष या सत्ता का नहीं है, यदि यह नेटवर्क वर्षों से सक्रिय रहा, तो इसका मतलब है कि निगरानी तंत्र में कहीं न कहीं कमजोरी रही है,ऐसे में स्वास्थ्य मंत्री के सामने दोहरी जिम्मेदारी है,वर्तमान में चल रहे किसी भी अवैध नेटवर्क को रोकना और भविष्य के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करना जो नकली दवाइयों को बाजार तक पहुंचने ही न दे,यदि दोषी पाए जाते हैं,तो केवल लाइसेंस रद्द करना पर्याप्त नहीं होगा, उदाहरणात्मक दंड और आपराधिक कार्रवाई ही भविष्य में ऐसे गिरोहों को हतोत्साहित कर सकती है।

क्या यह राजनीति से परे है?

सूत्रों का आरोप है कि यह नेटवर्क किसी एक दल या एक सरकार तक सीमित नहीं रहा,वर्षों से अलग-अलग दौर में संरक्षण के सहारे काम चलता रहा,यह आरोप गंभीर हैं,और यदि इनमें सच्चाई है,तो यह केवल आपराधिक मामला नहीं,बल्कि संस्थागत विफलता का संकेत है।

जांच क्यों मुश्किल?-

नेटवर्क में जुड़े लोग सामने नहीं आते,अंदरूनी सूचना (टिप-ऑफ) मिलना दुर्लभ होता है,वित्तीय लेन-देन कई स्तरों पर विभाजित रहता है,छोटे डीलर अनजाने में भी सप्लाई चेन का हिस्सा बन सकते हैं,यही वजह है कि 'सिस्टम के भीतर सिस्टम' लंबे समय तक छिपा रहता है।

मानसिक रोगी बेटे ने किया खून,पैसे नहीं मिलने पर पिता के टुकड़े-टुकड़े कर दिए

बिलासपुर,16 फरवरी 2026। पैसों के लालच में बेटा ही अपने बुजुर्ग पिता की मौत का कारण बन गया। सिरगिट्टी थाना इलाके के मन्नडोल में सोमवार को आरोपी बेटे नीतू ध्रुव ने अपने पिता की नृशंस हत्या कर दी। सनकी बेटे ने हत्या के बाद शव के कई टुकड़े भी किए। पूरे फर्श पर खून बिखर गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, नीतू ध्रुव नामक 40 वर्षीय व्यक्ति ने अपने 70 वर्षीय पिता मनराखन ध्रुव की फावड़े से वार कर हत्या कर दी। आरोपी पुत्र नशे का आदी बताया जा रहा है। उसने अपने पिता से पैसों की मांग की थी। जब पिता ने पैसे देने से इनकार किया तो गुस्से में आकर उसने फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से पिता की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। घटना की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इधर परिवार में मातम पसर गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद और नशे की लत घटना की मुख्य वजह सामने आ रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

एक्सीडेंट में बेटे को खोने के बाद माता-पिता ने किया सुसाइड

जांजगीर-चांपा,16 फरवरी 2026। जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। इकलौते बेटे के मौत के सदमे में उसके माता-पिता ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सोमवार को घर में पेड़ पर दोनों की एक साथ फंदे पर लटका शव मिला। मृतकों की पहचान रमाबाई पटेल (47) और कृष्णा पटेल (48) घटना से इलाके में शोक व्यापत हो गया। मामला शिवरीनारायण थाना के धरदेई गांव का है। जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही दंपति के इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि बेटे की असमय मृत्यु से दंपति गहरे सदमे में थे। शुरुआती जांच में मानसिक आघात के चलते आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आ रही है। सोमवार सुबह दोनों की पेड़ के फंदे पर लटकी लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को सुरक्षित नीचे उतार लिया। पंचानामा तैयार कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बस्तर में संघर्ष की आग से समृद्धि के उजाले तक : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर,16 फरवरी 2026। राजधानी रायपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण परिचर्चा में नक्सलवाद और बस्तर के विकास जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम का आयोजन दैनिक लोकमाया के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। परिचर्चा का विषय 'बस्तर का विकास - नक्सलवाद का अंत' रखा गया, जिसने राज्य की मौजूदा परिस्थितियों और विकास की दिशा को लेकर सार्थक विमर्श का मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि नक्सलवाद किसी सामाजिक या आर्थिक आंदोलन का स्वरूप नहीं रहा, बल्कि यह विकास-विरोधी 'भय का तंत्र' बनकर उभरा।

संयुक्त मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक सम्पन्न....

हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की संकल्पना को पूरा करना है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,16 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के सभी मोर्चों के प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शासन की योजनाओं और 'मोदी की गारंटी' की सफलताओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सक्रिय हों। हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की संकल्पना को पूरा करना है। सच्ची सेवा भावना के साथ हमें एक शक्तिशाली और समृद्धशाली भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में संयुक्त बैठक की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को सम्बोधित करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसके देशभर में 14 करोड़ कार्यकर्ता और प्रदेश में 60 लाख सदस्य व 80 हजार सक्रिय कार्यकर्ता हैं। युवा, महिला, किसान, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मोर्चों के

माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुँचना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने मात्र दो वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर दिया है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी। आज हर पंचायत में औसतन 300 मकान बन रहे हैं और 10 लाख से ज्यादा परिवारों का गृह प्रवेश हो चुका है। छत्तीसगढ़ में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। होली के पहले 25.24 लाख किसानों के खातों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि जमा की जाएगी। इसी प्रकार महिला सशक्तीकरण के दृष्टिगत 'महतारी वंदन योजना' के तहत 70 लाख से अधिक माताओं को प्रति माह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए पारिश्रमिक, भूमिहीन कृषकों को 10 हजार रुपए सालाना दिए जा रहे हैं।

राष्ट्र प्रथम की भावना और सेवा-समर्पण से ही बनेगा विकसित भारत : जम्वाल

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए संगठन की शक्ति और आगामी लक्ष्यों का रोडमैप सामने रखा और कहा कि पार्टी आज न केवल देश की,बल्कि विश्व की नंबर वन पार्टी बन चुकी है,लेकिन हमारा वास्तविक लक्ष्य भारत को शक्तिशाली,समृद्धशाली,आत्मनिर्भर और 'विश्वगुरु' बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज तेजी से प्रगति कर रहा है। हमारा संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है। इस यात्रा में हर कार्यकर्ता का योगदान अनिवार्य है। आज केंद्र की योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुँच रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के कार्यों और योजनाओं की चर्चा हर घर और हर गली में होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ जनता के बीच जाना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना हमारे हर कार्य के मूल में होनी चाहिए। हर कार्यकर्ता के भीतर सेवा, समर्पण, सहजता और सामूहिकता का भाव होना आवश्यक है।

भाजपा 'कार्यक्रम आधारित' पार्टी है,जहां सालभर सेवा के कार्य चलते रहते हैं : देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा 'कार्यक्रम आधारित' दल है, जहाँ सालभर सेवा के कार्य चलते रहते हैं। पार्टी के विभिन्न मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती और आगामी बजट सत्र को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश देते हुए देव ने कार्यकर्ताओं के बौद्धिक विकास और कार्यकुशलता पर जोर दिया और कहा कि पार्टी में निरंतर प्रशिक्षण की परंपरा है। 17 फरवरी से हमारे प्रशिक्षण वर्ग की कार्यशाला शुरू हो रही है, जहाँ नए कार्यकर्ताओं को भाजपा की रीति-नीति से अवगत कराया जाएगा। देव ने कहा कि केंद्र सरकार के बजट के बाद अब छत्तीसगढ़ के बजट की बारी है।

सुरक्षाबलों को नक्सल मोर्चे पर मिली बड़ी सफलता

पहाड़ी में छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप किया बरामद,बड़ी साजिश नाकाम

गरियाबंद,16 फरवरी 2026। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जिला पुलिस बल की ई-30 ऑप्स टीम ने सघन तलाशी अभियान चलाकर थाना मैनपुर क्षेत्र के ग्राम बडेगोबरा स्थित सातमारी पहाड़ी में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के हथियारों का डंप बरामद किया है, जिनमें 2 एसएलआर,1 इंसास राइफल,1 बारह बोर बंदूक,एसएलआर और इंसास की मैग्जिन और जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, जनवरी 2026 में गरियाबंद में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से पूछताछ के दौरान यह अहम जानकारी सामने आई थी। पूछताछ में खुलासा हुआ कि सीपीआई माओवादी की ओडिशा राज्य कमेटी के शीर्ष नेतृत्व ने सातमारी पहाड़ी क्षेत्र में ऑटोमैटिक हथियारों का जखीरा डम्प कर रखा है, जिसका उपयोग किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जा सकता था। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। 16 फरवरी 2026 को जिला मुख्यालय से ई-30 ऑप्स टीम को मौके पर रवाना किया गया।

24 फरवरी को आएगा बजट,युवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर रहेगा फोकस

रायपुर,16 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार अपने कार्यकाल का एक और महत्वपूर्ण बजट पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का आगामी बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा। सत्र के दूसरे दिन, यानी 24 फरवरी को राज्य का वार्षिक बजट सदन की पटल पर रखा जाएगा। 'ज्ञान-गति' थीम की सफलता के बाद, इस बार भी बजट को एक नई और प्रभावशाली थीम के साथ पेश करने की तैयारी है, जो राज्य के विजन को दर्शाएगी।

महिला, युवा और किसानों के इर्द-गिर्द केंद्रित होगा बजट

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बजट की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाना है। इस बार के बजट में विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और किसानों के कल्याण के लिए बड़ी

योजनाओं की घोषणा हो सकती है। सरकार की प्राथमिकता जनहितकारी योजनाओं को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके। वित्त मंत्री के अनुसार, यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने वाला 'रोडमैप' साबित होगा।

राज्यपाल के अभिभाषण से होगी सत्र की शुरुआत : छत्तीसगढ़ विधानसभा का यह बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक चलेगा। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस सत्र में कुल 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र के पहले दिन राज्यपाल रमेन डेका सदन को संबोधित करेंगे। अपने अभिभाषण में राज्यपाल सरकार की अब तक की उपलब्धियों, आगामी नीतियों और राज्य के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों का विवरण प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद सदन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्यय पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास को मिलेगी नई रफ्तार : सूत्रों के अनुसार, आगामी बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। राज्य के छोटे और मध्यम शहरों के कायाकल्प के लिए सरकार 'रिंग रोड' बनाने की योजना पर काम कर रही है। प्रदेश की बड़ी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में सुगम यातायात के लिए रिंग रोड निर्माण हेतु लगभग 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा सकता है। इसके अलावा,नवा रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के गौरव शहीद वीर नारायण सिंह की भव्य प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)